संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -17 शनिवार,18 नवम्बर 2023 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 के दूसरे चरण का मतदान सम्पन्न

3 दिसंबर को होगी मतगणना, आएगा परिणाम

दूसरे चरण के 70 सीटों में 74 प्रतिशत रहा मतदान

नौ मतदान केंद्रों में दोपहर तीन बजे तक हुआ मतदान

एक करोड़ 63 लाख 14 हजार 479 मतदाता रहे दूसरे चरण में

रायपुर,17 नवम्बर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में पांचवें विधानसभा चुनाव के दूसरे और आखिरी चरण में प्रदेश की शेष 70 सीटों के लिए मतदान शाम पांच बजे तक खत्म हो गया है। इसी के साथ ही 958 प्रत्याशियों की किस्मत अब ईवीएम में कैद हो गई है। पांच बजे तक छत्तीसगढ़ में 67.34 प्रतिशत मतदान हुआ था, जो रात नौ बजे तक बढ़कर 74 प्रतिशत हो गया। प्रदेश में कुल कुल 18,833 मतदान केंद्र बनाए गए थे, जिनमें 4,250 शहरी, 14,556 ग्रामीण क्षेत्रों में हैं। इनके अतिरिक्त 27 सहायक मतदान केंद्र भी बनाए गए थे। 9,424 मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग के माध्यम से नजर रखी गई। मतदान के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर केंद्र सरकार की 100 से अधिक कंपनियां तैनात किया गया था। स्थानीय पुलिस के साथ छत्तीसगढ़ आर्म्ड फोर्स (सीएएफ) के कुल एक लाख से अधिक जवान मोर्चे पर तैनात थे।

धमतरी में कमार जनजाति के लोग धनुष लेकर पहुंचे वोट देने

सिहावा विधानसभा के ग्राम पंचायत बिलभदर के मतदान केंद्र में कमार जनजाति के मतदाताओं ने वोट डाला। मतदाता पारंपरिक वेशभूषा में धनुष लेकर पहुंचे थे। मतदान को लेकर उत्साहित नजर आए। बिलभदर में विशेष पिछड़ी जनजाति कमार वर्ग के लिए ट्राइबल मतदान केंद्र बनाया गया था। यहां कुल मतदाता की संख्या 1039, कमार मतदाता की संख्या 37 है। यह मतदान केंद्र चुनई तिहार के आधार पर तैयार करते हुए कमार जनजाति के लिए झोपड़ी नुमा सेल्फी जोन बनाया गया है। कमार जनजाति के लोग पारंपरिक औजार जैसे तीर-धनुष, पारंपरिक अनाज रखने के लिए टुकनी, सूपा लेकर पहुंचे। दिव्यांग मतदाताओं के लिए ट्रायसाईकल की व्यवस्था की गई।

धमतरी के नगरी में शेर-भालू बनकर केंद्र में किया मतदाताओं का स्वागत

धमतरी जिले के सिहावा विधानसभा क्षेत्र के नगर पंचायत नगरी में वनांचल क्षेत्र के तर्ज पर आकर्षक आदर्श मतदान केन्द्र क्रमांक 151 बनाया है, जो सबको भा गया। यह मतदान केन्द्र ऐसा है, जो सबसे हटकर है। इस मतदान केन्द्र में मतदान करने पहुंचने वाले मतदाताओं का बाघ, भालू, चीतल के वेशभूषा में स्वागत किया गया। वहीं तीर कमान लेकर वनकर्मी मतदान केन्द्र के प्रवेश द्वार पर मतदाताओं का स्वागत किया। वनवासियों के पारंपरिक रहन-सहन, झोपड़ी समेत कई अंदाज में सेल्फी प्वाइंट बनाया गया है, जो हर मतदाताओं को आकर्षित किया। इतना ही नहीं मतदान करने के बाद सेल्फी प्वाइंट वन भ्रमण कराने वाले टैक्सी और बांस से निर्मित झोपड़ी तैयार किया गया है। इस मतदान केन्द्र को अभ्यारण्य प्रशासन ने माडल बूथ के रूप में तैयार किया है।

शाम पांच बजे तक धमतरी में सबसे अधिक और रायपुर जिले में सबसे कम हुआ मतदान

निर्वाचन आयोग ने शाम पांच बजे तक वोटिंग के आंकड़े जारी किया है। जिसमें पूरे 70 सीटों में 67.34 प्रतिशत मतदान हुआ है। जिसमें से धमतरी जिले में सबसे अधिक मतदान हुआ है। वहीं रायपुर जिले में सबसे कम मतदान हुआ है। इसमें बालोद- 77.67, बलौदाबाजार - भाटापारा - 70.70, बलरामपुर- 67. 95, बेमेतरा - 72.92, बिलासपुर - 61.43, धमतरी - 79.89, दुर्ग - 65.07, गरियाबंद- 71.13, गौरेला पेण्ड्रा मरवाही - 71.20, जांजगीर-चांपा- 65.57, जशपुर- 71.41, कोरबा - 71.62, कोरिया- 73.56, महासमुंद- 70.07, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर- 68.79, मुंगेली- 57.78, रायगढ़- 71.84, रायपुर- 57.53, सक्ति - 63.82, सारंगढ़-बिलाईगढ़- 65.66, सूरजपुर- 66.36, सरगुजा- 67.71 प्रतिशत मतदान हुआ है।

शाम पांच बजे तक छत्तीसगढ़ में 67.48 प्रतिशत मतदान

छत्तीसगढ़ में दूसरे चरण के लिए 70 विधानसभा सीटों पर मतदान का समय समाप्त हो गया है। 958 प्रत्याशियों की किस्मत ईवीएम में कैद हो गई है। शाम पांच बजे तक छत्तीसगढ़ में 67.48 प्रतिशत मतदान हुआ है।

बिंद्रानवागढ़ सीट में हुई 91 प्रतिशत वोटिंग

छत्तीसगढ़ के 70 सीटों में मतदान का समय समाप्त हो गया है। वहीं गरियाबंद जिले के नक्सल प्रभावित बिंद्रानवागे सीट के नौ बूथों पर तीन बजे ही मतदान का समय समाप्त हो गया। यहां 91 प्रतिशत वोटिंग हुई है।

मतदान के लिए दिव्यांग जनों में दिखा उत्साह

विधानसभा क्षेत्र 58 धमतरी के मतदान केन्द्र क्रमांक-24, माध्यमिक शाला भवन ग्राम भोथीपार को दिव्यांग मतदान केन्द्र बनाया गया है। इस केन्द्र में अपने मताधिकार का उपयोग करने आए दिव्यांगजन लोमन और लिलेश ने कहा की हम पहले भी वोट डालने मतदान केन्द्र में आते थे, लेकिन इस बार निर्वाचन आयोग और प्रशासन द्वारा सराहनीय पहल करते हुए सुविधा प्रदान की गई है। दिव्यांगजन और वृद्धजनों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो इसलिए वाहन, व्हील चेयर की व्यवस्था की गई है। वहीं दिव्यांजनो हेतु बनाये गये इस बूथ में दिव्यांगजनों का स्वागत फूलमाला पहना कर किया गया, जो कि बहुत है हर्ष की बात है।

ब्रेन हेमरेज मरीज पहुंचा मतदान करने

छत्ते तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में जारी मतदान के बीच गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में विधानसभा क्षेत्र 30 कोटा के मतदान केन्द्र पेंड्रा में ब्रेन हेमरेज होने के बाद भी दीपक गुप्ता ने लोकतंत्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी पूर्ण करते हुए किया मतदान किया।

वोट के लाइन में खड़ी महिला वोटर की मौत

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में दूसरे चरण के लिए 70 सीटों पर जारी मतदान के बीच कसडोल विधानसभा क्षेत्र से एक बुरी खबर आ रही है। यहां मतदान क्रमांक 76 मल्दा में वोट देने लाइन में खे ी महिला की हार्ट अटैक आने से मौत हो गई। मृतिका का नाम सहोदरा है, जिसकी 58 वर्ष उम्र है। रिटर्निंग अधिकारी भूपेंद्र अग्रवाल ने इसकी पुष्टि की है।

वोटिंग के बीच साथ नजर आए विरोधी

छत्तीसगढ़ में मतदान के बीच मुंगेली जिले के लोरमी विधानसभा क्षेत्र से एक अच्छी तस्वीर सामने आई है, जिसमें भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद, भाजपा प्रत्याशी अरुण साव, कांग्रेस प्रत्याशी थानेश्वर साहू, जकांछ के प्रत्याशी सागर सिंह बैंस एक साथ नजर आ रहे हैं। दरअसल, तीनों मतदान केंद्र पहुंचे। इस दौरान सभी ने एक दूसरे से बातचीत किया। मतदान केंद्र में कतार में खड़े लोग भी उन लोगों तक पहुंच गए

जबरदस्ती वोट डलवाने का प्रयास किया तो ग्रामीणों ने तहसीलदार को घेरा

बिलासपुर के बिल्हा विधानसभा के बोदरी के ग्राम ददहा बूथ क्रमांक 210 में मतदाताओं ने मतदान का बहिष्कार किया। इसे लेकर अधिकारी और ग्रामीणों में विवाद शुरू हो गया। अधिकारियों ने जबरदस्ती वोट डलवाने का प्रयास किया तो ग्रामीणों ने तहसीलदार को घेरा।

नौ मतदान केंद्रों में दोपहर 3 बजे तक मतदान समाप्त

छत्तीसगढ़ के दूसरे चरण में जारी मतदान के बीच बिंद्रानवागढ़ विधानसभा क्षेत्र के नौ संवेदनशील मतदान केंद्रों पर मतदान दोपहर तीन समाप्‍ त हो गया है। बिंद्रानवागढ़ विधानसभा क्षेत्र की कामरभौदी, आमामोरा, ओढ, बड़े गोबरा, गंवरगांव, गरीबा, नागेश, सहबीनकछार और कोदोमाली मतदान केंद्र संवेदनशील होने की वजह से यहां सुबह सात से दोपहर तीन बजे तक मतदान का समय तय किया गया था। इनके अलावा अन्य विधानसभा क्षेत्रों में शाम पांच बजे तक वोट डाले गए।

थर्ड जेंडर के मतदाताओं ने भी किया मतदान

बिलासपुर जिले में तृतीय लिंग के 91 मतदाता है। तृतीय लिंग के मतदाता भी मतदान में बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रहे हैं। तृतीय लिंग समुदाय के विजय अरोड़ा, श्रेया श्रीवास, बाला, राजिया और रेहाना ने भी मतदान कर सभी से मतदान करने की अपील की है

परिवार की चार पीढ़ी के 25 सदस्यों ने किया एक साथ मतदान

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में वोटिंग को लेकर वोटरों में खासा उत्‍साह है। इसका एक उदाहरण रायपुर में देखने को मिला। रायपुर की इंद्रावती कालोनी निवासी गोधा परिवार ने आज मतदान उत्सव मनाते हुए परिवार के 4 पीढ़ी के 25 सदस्यों एक साथ मतदान करने पहुंचे। विजय जैन, अतुल जैन, मनीष जैन, राकेश जैन, अनंत जैन सहित अन्य परिवार के अन्य सदस्यों ने आज लोकतंत्र के महापर्व का साक्षी बनते हुए अपने मत का प्रयोग किया। एक साथ घर से निकलकर वोट डाला और एक नारा दिया 25 वोट 1 निशान।

मतदान का अनोखा अंदाज, ऊंट पर सवार होकर पहुंचा वोट डालने

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में 70 सीटों के लिए मतदान जारी है। इस दौरान रायपुर में मतदाताओं में मतदान को लेकर खासा उत्‍साह है। रायपुर की कई पोलिंग बूथ पर वोटर्स की लाइन लाइन देखी गई। इसी बीच रायपुर उत्तर विधानसभा में एक मतदाता अनोखे अंदाज में मतदान करने मतदान केंद्र पहुंचा। मतदाता ऊंट पर सवार होकर मतदान करने पहुंचा। उसके साथ उसकी पत्‍नी भी मौजूद थी। इससे पहले पिछले विधानसभा चुनाव में यह मतदाता घोड़ी पर सवार होकर पोलिंग बूथ पहुंचा था। बतादें कि यह मतदाता हर बार मतदान जागरूकता के लिये नई-नई पहल करते हैं।

मध्य प्रदेश में 80 प्रतिशत मतदान के साथ टूटा रिकॉर्ड

» मध्य प्रदेश में महिलाओं में देखा गया भारी उत्साह

नई दिल्ली,17 नवम्बर 2023(ए)। मध्य प्रदेश की 230 सीटों पर शुक्रवार को मतदान संपन्न हो गए। मध्य प्रदेश में पिछले तीन विधानसभा चुनाव में हुए मतदान का रिकार्ड टूट गया। मतदाताओं ने 80 प्रतिशत मतदान कर कीर्तिमान बनाया है।

सुबह सात बजे से मतदान केंद्रों पर लगने लगी थी भीड़

सुबह सात बजे से ही मतदान केंद्रों पर भीड़ लगनी प्रारंभ हो गई थी, जो समय के साथ बढ़ती गई। मतदान का समय (शाम छह बजे) खत्म होने के बाद भी कई केंद्रों पर लंबी लाइन लगी हुई थी। महिलाओं में सुबह से ही मतदान को लेकर अच्छा उत्साह देखा गया। कुछ विधानसभा क्षेत्रों में मतदान के दौरान भाजपा और कांग्रेस समर्थकों के बीच छिटपुट हिंसक झड़प भी हुई।

सोनेवानी में हुआ 100 प्रतिशत मतदान

मालूम हो कि परिसीमन के बाद हुए विधानसभा चुनावों यानी वर्ष 2008 में 69.52 प्रतिशत, वर्ष 2013 में 72.69 प्रतिशत और वर्ष 2018 में 75.63 प्रतिशत मतदान हुआ था। बालाघाट जिले के सोनेवानी मतदान केंद्र में सबसे कम 42 मतदाता हैं। यहां 100 प्रतिशत मतदान हुआ। तीन दिसंबर को मतगणना होगी।

छतरपुर में गाड़ी से कुचलकर कांग्रेस पार्षद की हत्या

मध्य प्रदेश में सुबह साढ़े पांच बजे 64,626 मतदान केंद्रों पर मॉकपोल हुआ, इसके बाद सात बजे से मतदान की शुरुआत हुई। छतरपुर जिले के राजनगर विधानसभा क्षेत्र में शुक्रवार सुबह ही गाड़ी से कुचलकर कांग्रेस पार्षद सलमान खान की हत्या का मामला सामने आया। कांग्रेस प्रत्याशी विक्रम सिंह नातीराजा ने भाजपा प्रत्याशी अरविंद पटेरिया को सलमान की मौत का जिम्मेदार बताया। अरविंद पटेरिया सहित 20 लोगों के विरुद्ध हत्या सहित अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मुरैना के दिमनी में पोलिंग बूथ पर दो गुटों में विवाद

मुरैना में केंद्रीय मंत्री व भाजपा प्रत्याशी नरेंद्र सिंह तोमर के विधानसभा क्षेत्र दिमनी के मिरघान पोलिंग बूथ पर दो गुटों में विवाद में दो लोग घायल हो गए। ग्रामीणों के अनुसार, फायरिंग भी हुई। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने गोली चलने की घटना से इन्कार किया।

भाजपा प्रत्याशी के बेटे को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लाठी से की पिटाई

भिंड के मेहगांव विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस प्रत्याशी डा. गोविंद सिंह के भांजे राहुल भदौरिया के गांव मानहढ़ में भाजपा प्रत्याशी राकेश शुक्ला को कुछ लोगों ने घेर लिया। पथराव में राकेश शुक्ला को हल्की चोट भी आई। उन्हें सुरक्षित निकालने के लिए उनके गार्ड को गोली चलानी पड़ी। इधर, विधानसभा क्षेत्र इंदौर-4 से भाजपा प्रत्याशी मालिनी गौड़ के बेटे एकलव्य गौड़ ने लाठी से कांग्रेस कार्यकर्ताओं की पिटाई कर दी। एकलव्य के विरुद्ध भी केस दर्ज किया गया है।

नक्सल प्रभावित जिलों में तीन बजे तक हुआ मतदान

प्रदेश के नक्सल प्रभावित जिले बालाघाट, मंडला और डिंडौरी के छह विधानसभा क्षेत्रों में सुबह सात से दोपहर तीन बजे तक मतदान कराया गया। बालाघाट जिले के बैहर विधानसभा क्षेत्र में 80.38 प्रतिशत मतदान रहा, जो पिछले चुनाव में 80.72 था। इसी तरह लांजी में 75.07 प्रतिशत मतदाताओं वोट डाला, जबकि 2018 में यह 81.78 प्रतिशत था। परसवाड़ा में 81.56 प्रतिशत मतदान हुआ। यहां पिछली बार 82.82 प्रतिशत वोटिंग हुई थी। मंडला जिले के बिछिया में 73.11, मंडला में 71.76 और डिंडौरी जिले में 78.31 प्रतिशत मतदान रहा। यहां वर्ष 2018 में क्रमशः 78.56, 78.90 और 80.17 प्रतिशत मतदान हुआ था।

जवान बलिदान

बिंद्रानवागढ़ विधानसभा के नक्सल प्रभावित क्षेत्र में नक्सलियों द्वारा लगाए गए आइईडी ब्लास्ट में जम्मू-कश्मीर निवासी आइटीबीपी जवान जोगिंदर सिंह बलिदान हो गए।

इन दिग्गजों का भाग्य ईवीएम में बंद

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ, केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, प्रहलाद पटेल, फग्गन सिंह कुलस्ते, लोकसभा में भाजपा के मुख्य सचेतक राकेश सिंह, सांसद गणेश सिंह, उदय प्रताप सिंह, रीति पाठक और राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय। कांग्रेस नेता डा. गोविंद सिंह, अजय सिंह और जयवर्धन सिंह का भाग्य भी ईवीएम में कैद हुआ।

उत्तरकाशी टनल हादसा: छठे दिन रेस्क्यू ऑपरेशन रूका

इंदौर से मंगाई जा रही तीसरी मशीन

उत्तरकाशी,17 नवम्बर 2023 (ए)। उत्तरकाशी सिलक्यारा टनल हादसे का शुक्रवार को छठा दिन रहा। टनल में फंसे 40 मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकलने के लिए युद्ध स्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। लेकिन, रेस्क्यू ऑपरेशन पर ब्रेक लग गया है।

दूसरी ऑगर मशीन से भी रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा नहीं हो पाया है। इसके साथ ही टनल में पाइप लाइन बिछाने का काम भी रूक गया है। रेस्क्यू ऑपरेशन में लगी ऑगर मशीन की बेयरिंग खराब हो गई है। जिसके कारण मशीन पाइप पुश नहीं कर पा रही है। टनल के अंदर अब तक 22 मीटर ही खुदाई की गई है। सुरंग में पांच पाइप ड्रिल करने के बाद डाले जा चुके हैं। अब, इंदौर से तीसरी मशीन मंगाई जा रही है। इस बीच अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी भी आपदा कंट्रोल रूम पहुंची और उन्होंने रेस्क्यू ऑपरेशन का अपडेट लिया।

देहरादून आपदा कंट्रोल रूम में रेस्क्यू ऑपरेशन को लेकर अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने निर्देश दिया है कि लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन पर नजर रखी जाए। टनल में फंसे हुए सभी श्रमिक पूरी तरह से स्वस्थ हैं। उम्मीद है कि जल्द ही सभी श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया जाएगा। उन्हें बेहतर मेडिकल ट्रीटमेंट देने की भी पूरी व्यवस्था है। सभी विभागों को अलर्ट मोड पर रखा गया है।

टनल में फंसे हुए मजदूरों को निकालने के लिए केंद्रीय एजेंसियों के साथ ही प्रदेश की भी तमाम एजेंसियां मोर्चा संभाले हुए हैं। टनल में फंसे श्रमिकों के लिए भोजन, ऑक्सीजन और बिजली उपलब्ध कराई गई है। उनका मनोबल बढ़ाने के लिए उनकी परिजनों से लगातार बात भी कराई जा रही है।

पोलिंग बूथ पर वोट डालते ही महिला को आया अटैक

आगर मालवा ,17 नवम्बर 2023 (ए)। मध्यप्रदेश इलेक्शन वोटिंग 2023 मध्य प्रदेश में 230 विधानसभा सीटों पर 2,533 उम्मीदवारों के चुनावी भाग्य का फैसला करने के लिए आज मतदान हो रहा है। सुबह 7 बजे से वोटिंग शुरु हो गई है। जो शाम 6 बजे तक होगी। इस बीच आगर मालवा जिले से बड़ी खबर सामने आई है। जहां मतदान के दौरान हार्ट अटैक आने से एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। इस घटना के बाद पोलिंग बूथ हड़कंप मच गया।जानकारी के अनुसार, यह घटना जिले की सुसनेर विधानसभा के ग्राम धरोला की है। जहां काशीबाई भेरूलाल मालवीय उम्र 65 मतदान क्रमांक 165 पर वोट डालने गई थी। मतदान के बाद लौटने के दौरान मतदान बूथ पर ही बुजुर्ग महिला को हार्ट अटैक आने से उसकी मौत हो गई। मौके पर मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने महिला के शव को उसके घर पहुंचाया। फिलहाल, पुलिस मर्ग कायम कर जांच में जुट गई है।

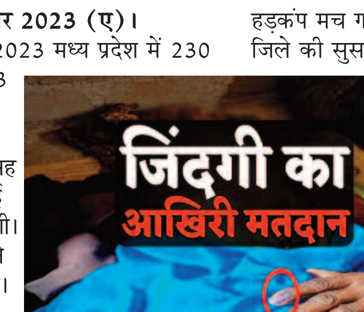

संपादकीय

भाजपा के सांसद उम्मीदवारों की मुश्किल

भारतीय जनता पार्टी ने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और तेलंगाना में अनेक सांसदों को विधानसभा चुनाव में उतारा है। पार्टी ने यह सोच कर सांसदों को टिकट दी थी कि वे खुद तो जीतेंगे ही साथ ही अपने लोकसभा क्षेत्र की दूसरी सीटों पर भी पार्टी के उम्मीदवारों को जीत दिलाएंगे। लेकिन कई सांसदों की सीट पर भाजपा का हिसाब किताब गड़बड़ाया है। इसके अलावा कुछ सांसद उम्मीदवारों के साथ ऐसा संयोग भी हुआ कि वे गलत कारणों से खबरों में रहे। ग्वालियर-चम्बल की दिमनी सीट से केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर चुनाव लड़ रहे हैं। पिछले कुछ दिनों से उनके बेटे की दो वीडियो सामने आई है, जिसमें वे किसी व्यक्ति के साथ कथित तौर पर सैकड़ों करोड़ रुपए की डील करते दिखाए देते हैं। हालांकि तोमर ने प्रेस कांफ्रेंस करके इसका खंडन किया है और कहा है कि वीडियो फर्जी है। उन्होंने कांग्रेस पर इसका आरोप लगाया है लेकिन इन दो वीडियो से उनके लिए बहुत मुश्किल खड़ी हुई है।
इसी तरह मध्य प्रदेश में नरसिंहपुर विधानसभा सीट पर केंद्रीय मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल चुनाव लड़ रहे हैं हैं। पिछले दिनों उनके काफिले का एक्सीडेंट हो गया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और कुछ लोग घायल हो गए। राजस्थान में दो सांसदों, राज्यवर्धन राठौड़ और दीया कुमार के खिलाफ भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं की जबरदस्त बगावत देखने को मिली। हालांकि उनक सीटों के जो सम्भावित दावेदार थे उनको तो किसी तरह से मनाया गया है लेकिन जमीनी स्तर पर नाराजगी अब भी बनी हुई है। उधर तेलंगाना में पार्टी ने अपने तीन सांसदों को चुनाव मैदान में उतारा है लेकिन किसी की जीतने की संभावना नहीं जताई जा रही है। सांसदों की बजाय टी राजा सिंह और एटाला राजेंद्र के चुनाव जीतने की ज्यादा संभावना बताई जा रही है।

छठ पूजा है हमारी आस्था का प्रतीक

कमलेश झा
बिहार

जब विश्व की सबसे प्राचीन सभ्यता की स्त्रियां अपने सम्पूर्ण वैभव के साथ सज-धज कर अपने आँचल में फल और पकवान ले कर निकलती हैं तो लगता है जैसे संस्कृति स्वयं समय को चुनौती देती हुई कह रही हो, देखो! तुम्हारे असँख्य झंझावातों को सहन करने के बाद भी हमारा वैभव कम नहीं हुआ है, हम सनातन हैं, हम भारत हैं हम आर्यावर्त के धरोहर हैं। हम तबसे हैं जबसे तुम हो, और जबतक तुम रहोगे तबतक हमारा अस्तित्व भी रहेगा।

जब घुटने भर जल में खड़ी व्रती की सिपुलि में बालक सूर्य की किरणें उतरती हैं तो लगता है जैसे स्वयं सूर्य भगवान बालक बन कर उसकी गोद में खेलने उतरे हों। स्त्री का सबसे भव्य, सबसे वैभवशाली स्वरूप मातृत्व का है। इस धरा को भारत माता कहने वाले बुजुर्ग के मन में स्त्री का यही स्वरूप रहा होता है। कभी ध्यान से देखिएगा छठ के दिन जल में खड़े हो कर सूर्य देव को अर्घ दे रही किसी स्त्री को, देखकर आपके मन में मोह नहीं श्रद्धा उपजेगी। छठ वह प्राचीन पर्व है जिसमें राजा और रंक एक घाट पर शीश नवाते हैं, एक देवता को अर्घ देते हैं, और एक बराबर आशीर्वाद पाते हैं। धन और पद का लोभ मनुष्य को मनुष्य से दूर करता है, पर धर्म उन्हें साथ जोड़ता है। अपने धर्म और परंपरा के साथ होने का सबसे बड़ा लाभ यह होता है कि आप अपने समस्त पुरुखों के आशीर्वाद की छाया में होते हैं। छठ के दिन नाक से माथे तक सिंदूर लगा कर घाट पर बैठी स्त्री अपनी हजारों पीढ़ी की परंपरा की वाहक हीं नहीं होती है, बल्कि वह उन्ही का स्वरूप होती है। उसके आंचल में केवल फल नहीं होते, समूची प्रकृति समाई होती है। वह एक सामान्य स्त्री सी नहीं, अन्नपूर्णा सी देवी दिखाई देती है। ध्यान से देखिये! आपको उनमें कौशल्या दिखेंगी, उनमें सीता दिखेगी, उनमें अनुसुइया दिखेगी, सावित्री दिखेगी... उनमें पद्मावती दिखेगी, उनमें लक्ष्मीबाई दिखेगी, उनमें भारत माता को छवि दिखेगी। इसमें कोई संदेह नहीं कि उनके आँचल में बंध कर ही यह सभ्यता अगले हजारों वर्षों का सफर करने में समर्थ होगी ।

छठ डूबते सूर्य की आराधना का पर्व है। डूबता सूर्य इतिहास होता है, और कोई भी सभ्यता तभी दीर्घजीवी होती है जब वह अपने इतिहास को पूजे। अपने इतिहास के समस्त योद्धाओं को पूजे और इतिहास में अपने विरुद्ध हुए सारे सढयंत्रों याद रखे और उस गलती को न दुहराए।

छठ उगते सूर्य की आराधना का पर्व है। उगता सूर्य भविष्य होता है, और किसी भी सभ्यता के यशश्वी होने के लिए आवश्यक है कि वह अपने भविष्य को पूजा जैसी श्रद्धा और निष्ठा से सँवारे... हमारी आज की पीढ़ी को सदैव इसका स्मरण रहे अगली जिम्मेदारी उनकी है ... यही छठ व्रत का मूल भाव है।

मैं खुश होता हूँ घाट जाती स्त्रियों को देख कर, मैं खुश होता हूँ उनके लिए राह बुहारते पुरुषों को देख कर, मैं खुश होता हूँ उत्साह से भरे बच्चों को देख कर... सच पूछिए तो यह मेरी खुशी नहीं, मेरी मिट्टी, मेरे देश, मेरी सभ्यता की खुशी है।

मेरे देश की माताओं! कल और परसों जब आदित्य देव आपकी बंश सूप में उतरें, तो उनसे कहिएगा कि इस देश, इस संस्कृति और समाज पर अपनी कृपा बनाये रखें, ताकि हजारों वर्ष बाद भी हमारी पुत्रवधुएँ यूँ ही सज-धज कर गंगा के जल में खड़ी हों और कहें-उगह्य हो सुरुज देव...जय आदित्य देव जय आस्था जय सनातन जय सनातनी परंपरा...

हे सहारा के सहारा...

हे सहारा के सहारा
जिंदगी से तू भी हारा
कुछ विश्वास था सभी को
लगता कर गया बेसहारा
डूब रहे हैं कितने लोग
तेरे सहारे के दलदल में
या कहें की सरकार की
सोची समझी सी दखल में
कुछ राय दे जाते सुब्रत राय
कुछ कह जाते पीड़ित जन से
तुमने तो पा लिया छुटकारा
सभी तरह का तन से मन से
क्या होगा लोगों का अब
मेहनत की कमाई क्या डूबेगी
क्यूँ ना कर पाये तुम कुछ भी
क्या सरकार जनहित में लूमेगी
चलो तुम्हें ईश्वर चरणों में
मिले स्थान कामना करते
होगा जो अब देखा जावेगा
ईश्वर पर विश्वास रखते ।

व्यग्र पाण्डे,
गंगापुर सिटी राजस्थान

आया छट पर्व सुहाना

आया छट का, पर्व यह सुहाना
करें हम सूर्य देव की, उपासना।
सूर्य का ओज, और कांति मिले
तनमन स्वस्थ हो आरोग्य मिले।
हमे सूर्य देव की कृपा दृष्टि मिले
सुख सन्तति और सम्पत्ति मीले।
सारी सृष्टि का, हम आभार करे
आओ सूर्य देव का सम्मान करें।
आओ प्रकृति का भी सम्मान करें
छिति जल पावक, का ध्यान करें।
गगन हवा का चलो गुणगान करे
चलो सूर्य देव को जलअर्पण करें।
यही हमारे देवत्व और पालक हैं
यही हमारे सब कुछ, सहायक हैं।
यही हिन्दू सनातन की पहचान है
तभी तो हमारी संस्कृति महान है।

अशोक पटेल आशु
मेघा-धमतरी छत्तीसगढ़.

बड़वा के डॉ. सत्यवान सौरभ को पंडित प्रताप नारायण मिश्र राष्ट्रीय युवा साहित्यकार सम्मान 2023 से

नवाजेंगे उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य

स्कूल की प्रार्थना सभा में बोलना और रोजाना नोटिस बोर्ड पर काव्य पंक्तियाँ लिखने वाले बच्चे ने आज सालों बाद साहित्यकार बनने का सफर तय कर डाला। हरियाणा के युवा साहित्यकार डॉ सत्यवान सौरभ को यह पुरस्कार उनके दोहा संग्रह 'तितली है खामोश' पर दिया गया है। डॉ सत्यवान सौरभ को भाऊराव देवरस सेवा न्यास लखनऊ द्वारा पंडित प्रताप नारायण मिश्र स्मृति युवा साहित्य सम्मान- 2023 का साहित्य पुरस्कार दिया जाएगा। इस अवसर पर डॉ सौरभ को स्मृति चिन्ह, शारदे प्रतिमा, शॉल, प्रशस्ति पत्र एवं 25000 राशि का चेक प्रदान किया जाएगा। डॉ सत्यवान सौरभ देश के ऐसे लेखक/कवि है जिनकी पहली पुस्तक मात्र कक्षा दसवीं में पढाई के दौरान यादें नामक काव्य संग्रह के रूप में आई और तब से ये खूबसूरत सफर जारी है और अपनी सौरभ से देश-विदेश को महका रहा है।

डॉ सत्यवान सौरभ
बड़वा भिवानी सिवानी हरियाणा

लखनऊ/दिल्ली/हिसार/भिवानी17 नवंबर 2023। स्कूल की प्रार्थना सभा में बोलना और रोजाना नोटिस बोर्ड पर काव्य पंक्तियाँ लिखने वाले बच्चे ने आज सालों बाद साहित्यकार बनने का सफर तय कर डाला। साहित्य के काव्य क्षेत्र में योगदान देने वाले भिवानी जिले के गाँव बड़वा निवासी डॉ सत्यवान सौरभ का काव्य विधा में श्रेष्ठ लेखन के लिए पूरे देश से पंडित प्रताप नारायण मिश्र युवा साहित्यकार सम्मान के लिए चयन हुआ है। हरियाणा के भिवानी जिला के गांव बड़वा के नवोदित साहित्यकार डॉ सत्यवान सौरभ को भाऊराव देवरस सेवा न्यास लखनऊ द्वारा पंडित प्रताप नारायण मिश्र स्मृति युवा साहित्य सम्मान-2023 पुरस्कार दिया जाएगा। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य एवं पर्यावरण मंत्री डॉ अरुण सक्सेना के कर कमलों द्वारा लखनऊ के निराला नगर स्थित सरस्वती शिशु विहार के माधव सभागार में आयोजित राष्ट्रीय समारोह में डॉ सौरभ को स्मृति चिन्ह, शारदे प्रतिमा, शॉल, प्रशस्ति पत्र एवं 25000 राशि का चेक प्रदान किया जाएगा। भाऊराव देवरस सेवा न्यास पिछले 29 वर्षों से पं. प्रताप नारायण मिश्र युवा साहित्यकार सम्मान से छह साहित्यकारों को सम्मानित करता आया है। डॉ. सौरभ इनमें हरियाणा के इकलौते साहित्यकार है। न्यास 40 वर्ष तक की आयु वाले साहित्यकारों को उनकी मौलिक रचनाधर्मिता के लिए सम्मानित और पुरस्कृत करता है। इस बार काव्य विधा में हरियाणा के डॉ सत्यवान सौरभ को पुरस्कृत किया जाएगा। हर साहित्यकार को 25 हजार रुपये धनराशि के साथ सरस्वती प्रतिमा, न्यास का बोध चित्र स्वास्तिक और पंडित प्रताप नारायण मिश्र का साहित्य देकर सम्मानित किया जाएगा। न्यास के संयोजक डॉ. विजय कुमार करण ने बताया कि हरियाणा के युवा साहित्यकार डॉ सत्यवान सौरभ को यह पुरस्कार उनके दोहा संग्रह 'तितली है खामोश' पर दिया गया है। न्यास के संयुक्त सचिव ने बताया कि प्रतिवर्ष दिए जाने वाले इस पुरस्कार को इस वर्ष देश के युवा साहित्यकारों को दिया जाएगा। डॉ सत्यवान सौरभ वर्तमान में हरियाणा के उभरते साहित्यकारों में से एक है। दैनिक संपादकीय लेखन में ये देश भर में प्रसिद्ध है और आए रोज इनके लेख देश-विदेश के हजारों अखबारों में विभिन्न भाषाओं में प्रकाशित होते हैं। इनकी अब तक 4 पुस्तकें यादें, कुदरत की पीर, परियों से संवाद, तितली है खामोश सभी हिंदी भाषा में और एक अंग्रेजी भाषा में इश्यूज एंड पैन प्रकाशित हो चुकी हैं। डॉ सत्यवान सौरभ के दोहों और कविताओं की सौरभ देश ही नहीं विदेशों तक फैली है। ईरान, फिजी, सूरीनाम, मारीशस जैसे हिंदी को पसंद करने वाले देशों की पत्रिकाओं में सत्यवान सौरभ के दोहे खूब प्रकाशित किये जाते है। सौरभ के दोहे दो पंक्तियों में होने के प्रभाव से जल्दी याद हो जाते है और मारक क्षमता इतनी की किसी के दिल की बात ही कह दी हो। डॉ सत्यवान सौरभ देश के ऐसे लेखक/कवि है जिनकी पहली पुस्तक मात्र कक्षा दसवीं में पढाई के दौरान यादें नामक काव्य संग्रह के रूप में आई और तब से ये खूबसूरत सफर जारी है और अपनी सौरभ से देश-विदेश को महका रहा है।

आलोचना की भी सीमा होनी चाहिए

भारत का एक प्राचीन नीति श्लोक है- अति सर्वत्र वर्जयेत! कई जगह इसकी विस्तार में व्याख्या मिलती है। एक व्याख्या के मुताबिक अति रूपवती होने की वजह से सीता का हरण हुआ, अति अहंकारी होने की वजह से रावण का वध हुआ और अति दानशील होने की वजह से राजा बलि को अपना सब कुछ गंवाना पड़ा। इसलिए अति से बचना चाहिए और हर कार्य में संतुलन बनाए रखना चाहिए। भारतीय जीवन दर्शन में हर तरह के अतिरेक से बचने की सलाह दी गई है और कहा गया है कि किसी भी चीज की अति व्यक्ति के गुणों को भी दुर्गुण में बदल देती है। किसी भी चीज की अति मर्यादा के उल्लंघन में बदल जाती है। जीवन का यह सूत्र राजनीति में भी लागू होना चाहिए और हर राजनेता को चाहे वह कितना भी बड़ा यो छोटा क्यों न हो उसे इस सिद्धांत का पालन करना चाहिए। अपने विपक्षियों की आलोचना करते हुए भी संयमित होना चाहिए और एक सीमा का पालन करना चाहिए।
साढ़े नौ साल तक प्रचंड बहुमत के साथ निर्बाध सत्ता चलाने के बाद भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके पीछे पीछे पार्टी के दूसरे नेता कांग्रेस की जैसी आलोचना करते हैं वह अक्सर अनुपात से ज्यादा और दायरे से बाहर दिखती है। कांग्रेस को भले लोकसभा में 10 फीसदी सीटें नहीं मिली हैं और इस वजह से उसे तकनीकी रूप से मुख्य विपक्षी पार्टी का दर्जा नहीं मिला है लेकिन वह देश की सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी है। लोकसभा में उसका स्थान है और देश के चार राज्यों में उसी सरकार है। वह अपने गठबंधन सहयोगियों के साथ देश के तीन बड़े राज्यों में सरकार में शामिल है और सात-आठ राज्यों में मुख्य विपक्षी पार्टी है। ऐतिहासिक रूप से पार्टी ने आजादी की लड़ाई और उसके बाद आजाद भारत के शुरुआती दिनों में देश के निर्माण में एक भूमिका निभाई है, जिसे कई बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी स्वीकार किया है। कुछ दिन पहले ही संसद के विशेष सत्र में उन्होंने आजादी के 75 साल के दौरान देश को बनाने में सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों के योगदान की सराहना की थी। दूसरी ओर विपक्ष को प्रधानमंत्री की आलोचना में संयम बरतना चाहिए। नरेंद्र मोदी के गुजरात का मुख्यमंत्री रहते कांग्रेस ने दायरे से बाहर जाकर जो आलोचना की थी उसने उनके लिए दिल्ली की राह आसान कर दी। उसी तरह अब जिस अंदाज में उनको अडानी के लिए काम करने वाला बता कर निजी हमले हो रहे हैं उसे भी स्वस्थ राजनीतिक आलोचना नहीं कह सकते।
बहरहाल, इस बात को भी सभी स्वीकार करते हैं कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए एक मजबूत विपक्ष का होना जरूरी है। सो, कांग्रेस एक मजबूत विपक्ष है, जिससे रचनात्मक भूमिका निभाने की उम्मीद की जाती है। भाजपा उसकी प्रतिद्वंद्वी पार्टी है और उसे पूरा अधिकार है कि वह कांग्रेस की आलोचना करे। चुनाव प्रचार के दौरान उस पर आरोप लगाए और लोगों से उसे वोट नहीं देने की अपील करे। लेकिन राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी की आलोचना की भी एक मर्यादा होती है, सीमा होती है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में आलोचना के नाम पर कुछ भी नहीं कहा जा सकता है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में प्रधानमंत्री और गृह मंत्री अपनी सभाओं में कांग्रेस के लिए कह रहे हैं कि वह देश विरोधी ताकतों से मिली हुई है और वह आतंकवादियों के प्रति सहानुभूति रखती है। ये कोई साधारण आरोप नहीं हैं।
भारत में या दुनिया के किसी भी देश में विपक्षी पार्टियों पर जो आरोप लगते हैं वे एक दायरे में होते हैं। कांग्रेस पर भी इस दायरे में आरोप लगते हैं- जैसे वह भ्रष्ट है, परिवारवादी है, उसने कोई काम नहीं किया, उसने जनता को धोखा दिया, वह एक जाति या समुदाय का तुष्टिकरण करती है आदि आदि। ये सभी राजनीतिक आरोप हैं। ये ऐसे मामले हैं, जिन्हें आरोप लगाने वाली पार्टी अदालत में नहीं ले जाती है। इन पर अंतिम फैसला कानून के जरिए किसी अदालत में नहीं होता है, बल्कि जनता करती है। परंतु देश विरोधी ताकतों से मिला होना और आतंकवादियों के प्रति सहानुभूति रखना, राजनीतिक आरोप नहीं हैं। ये गंभीर आपराधिक आरोप हैं और अगर प्रधानमंत्री इस तरह के आरोप लगा रहे हैं तो उसकी गंभीरता और बढ़ जाती है। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को निश्चित रूप से पता होगा कि जन प्रतिनिधित्व कानून की धारा 29ए के तहत प्रावधान है कि अगर कोई पार्टी देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता में विश्वास नहीं करती है यानी देश विरोधी काम करती है या गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम कानून या ऐसे ही किसी अन्य कानून के तहत पार्टी को गैरकानूनी करार दिया जाता है तो उसका पंजीकरण रद्द कर दिया जाएगा।
कांग्रेस के ऊपर देश विरोधी ताकतों से मिले होने और आतंकवादियों के प्रति सहानुभूति रखने के जो आरोप लगाए जा रहे हैं अगर वो सही हैं तो जन प्रतिनिधित्व कानून की धारा 29ए के तहत उसका पंजीकरण रद्द हो जाना चाहिए और उसका नाम व चुनाव चिन्ह जब्त कर लिया जाना चाहिए। लेकिन सरकार ऐसा नहीं कर रही है। इतने गंभीर आरोप लगाने और सत्ता में होते हुए भी उस पर कोई कार्रवाई नहीं करने के तीन मतलब निकाले जा सकते हैं। पहला, सरकार के शीर्ष स्तर से जो आरोप लगाए जा रहे हैं वो सही नहीं हैं, दूसरा, सिर्फ राजनीतिक फायदे के लिए आरोप लगाए जा रहे हैं और तीसरा, कांग्रेस के साथ साथ सरकार भी राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता कर रही है। ध्यान रहे सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी के नाते लोकसभा में कांग्रेस के नेता संसद की लोक लेखा समिति के अध्यक्ष होते हैं। अगर पार्टी देश विरोधी ताकतों से मिली हुई है तो उसके नेता को कैसे ऐसी समिति का अध्यक्ष होना चाहिए, जहां तमाम संवेदनशील रिपोर्ट पेश की जाती है? लोकसभा में कांग्रेस के नेता कई अहम नियुक्तियों के लिए बनाई गई कमेटी के सदस्य होते हैं, जिनमें प्रधानमंत्री और चीफ जस्टिस भी शामिल होते हैं। वहां भी कई अहम, गोपनीय और संवेदनशील जानकारी साझा की जाती है। अगर कांग्रेस देशविरोधियों से मिली हुई है तो ऐसी संवेदनशील जगह पर भी उसके नेता को क्यों होना चाहिए? ऐसी पार्टी, जिस पर प्रधानमंत्री आरोप लगाएं कि वह देश विरोधी ताकतों से मिली हुई है और आतंकवादियों के प्रति सहानुभूति रखती है उसे चुनाव लड़ने, संसद में बैठने और राज्यों में सरकार चलाने की भी इजाजत कैसे दी जा सकती है? क्या यह देश की सुरक्षा, एकता और अखंडता से खिलवाड़ नहीं है? राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर महुआ मोइत्रा की सदस्यता छीनी जा रही है और कांग्रेस पर सिर्फ आरोप लगाए जा रहे हैं! तभी जाहिर है कि ये आरोप वस्तुनिष्ठ नहीं हैं। सिर्फ आरोप लगाने के लिए आरोप लगाए जा रह हैं। लेकिन अब उसकी भी अति हो रही है। साढ़े नौ साल तक केंद्र की सरकार और देश के लगभग आधे राज्यों में सत्ता में रहने के बाद अगर अपनी उपलब्धियों के बखान से ज्यादा समय कांग्रेस की आलोचना में देना पड़ता है तो इसका मतलब है कि सरकार के काम में कहीं न कहीं कमी है या वह काम के आधार पर चुनाव जीतने को लेकर आशंकित है। सरकार और भाजपा को लग रह है कि अगर कांग्रेस की आलोचना में कमी आई तो फिर लोग उसके बारे में सकारात्मक सोचने लगेंगे। कांग्रेस पर देशविरोधियों और आतंकवादियों से मिले होने के आरोप लगाए जाने से यह भी लग रहा है कि 'कांग्रेस ने 70 साल में कुछ नहीं किया' और 'कांग्रेस सिर्फ एक परिवार के लिए काम करती है' का नैरेटिव अब अपनी चमक खो रहा है। इसमें खतरा यह है कि दूसरे के काम की बात करते हुए अपने काम का ब्योरा देना होता है और दूसरे परिवार की बात करने से अपनी पार्टी के परिवारों पर भी चर्चा शुरू हो जाती है। तभी लोग इन मुद्दों पर अब ध्यान नहीं दे रहे हैं। राष्ट्रवाद का मामला भाजपा के लिए ज्यादा सुरक्षित है क्योंकि उस पर वह एकाधिकार का दावा करती है।

-अजीत द्विवेदी-

यह सच है

सब कुछ चयनित हैसमझने के लिए
आवश्यक नहीं बोधगम्य
पता करने की जरूरत
आवश्यक नहीं
यहां समझने और जानने के लिए
बहुत हैं लेकिन कुछ बातें
कुछ हम समझ नहीं पाते
हम नहीं जान सकते
बस यही तो जीवन है
सच्चाई बनी हुई है

ओत्तेरी सेल्वा कुमार
चेन्नई तमिलनाडु

जो होगा वो भी अब तो देखा जायेगा

कल की फ़िक्र मे
आज बर्बाद ना कर
व्यर्थ ही चिंता में
जीवन ख्वार ना कर
नियति में जो है
वो तो होकर ही रहेगा
जो होगा वो भी अ
ब तो देखा जायेगा
आज के हर पल को जी भर जी ले
पल-पल की खुशियों को सहेज ले
ये पल फिर कभी दुबारा ना आयेगा
जो होगा वो भी
अब तो देखा जायेगा
ये पल फिर कभी
दुबारा मिले ना मिले
गुलशन में फिर ये
फूल खिले ना खिले
बिता हुआ पल
फिर कभी ना आयेगा
जो होगा वो भी
अब तो देखा जायेगा
वही दिन होगी फिर वही रातें होंगी
जग में फिर रंजो गम की बातें होंगी
टूटा फूल डाली पर नही सज पायेगा
जो होगा वो भी
अब तो देखा जायेगा
इस जीवन समर में
प्रतिपल लड़ करके
जीवन सफ़र में
प्रतिपल आगे बढ़ करके
कर्मठता से ही
अपनी मंजिल को पायेगा
जो होगा वो भी
अब तो देखा जायेगा

प्रमेशदीप मानिकपुरी
धमतरी छत्तीसगढ़

वाणी और व्यवहार ही सबकुछ

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गंभीर नेता माने जाते हैं। इन दिनों उनके वक्तव्य और व्यवहार लोगों को हैरत में डाल रहे हैं। विरोधियों की छोड़िए उनके समर्थक और निकटतम भी प्रश्न उठा रहे हैं कि वाकई यह नीतीश कुमार ही हैं?
पिछले दिनों विधानसभा के अंदर के दो प्रसंगों ने पूरे देश में उनकी छवि को मटियामेट किया है। जनसंख्या नियंत्रण पर बोलते हुए उन्होंने पति-पत्नी के यौन रिश्ते को हाथों और चेहरे से इशारा करते हुए ऐसी शब्दावलियों का प्रयोग किया जिनकी हम आप कल्पना नहीं कर सकते।
हंगामा होने पर उन्होंने क्षमा याचना की और कहा कि मैं स्वयं अपनी निंदा करता हूं। उसके बाद पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के विधानसभा में भाषण के बीच उठकर उन्होंने आम गली मोहल्लों के झगड़े सदृश अपमानजनक भाषाएं बोलीं। जीतनराम मांझी 75 प्रतिशत आरक्षण के प्रस्ताव एवं जाति आधारित गणना रिपोर्ट पर बात रख रहे थे। जाति आधारित गणना पर राज्य भर में उठ रहे संदेह को उन्होंने शालीन भाषा में प्रकट किया। इस पर उन्होंने अफसोस भी प्रकट नहीं किया। नीतीश जी के दिए जा रहे वक्तव्यों और व्यवहार सामान्य तौर पर समझ में आने वाले नहीं हैं। विधानसभा में उनका तमतमाना और गुस्से में बीच-बीच में खड़ा होकर बोलना आम हो गया है। 17 वर्षों के आसपास मुख्यमंत्री पद पर रहने वाले व्यक्ति से हमेशा आत्मनियंत्रित एवं शत प्रतिशत संतुलित व्यवहार की अपेक्षा स्वभाविक होती है।
यह दुखद है किंतु स्वीकारना पड़ेगा कि नीतीश जी न संतुलन रख पा रहे हैं न अपने पर नियंत्रण। मोतिहारी में केंद्रीय विविद्यालय के समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू उपस्थित थीं। अपने भाषण में नीतीश जी ने कहा कि जब यह राष्ट्रपति नहीं थीं तो मेरे पास काम लेकर आतीं थीं। राष्ट्रपति के मंच पर रहते हुए ऐसा बोलने को आप क्या कहेंगे? ऐसे अनेक उदाहरण दिए जा सकते हैं जिनसे उनके संतुलित और आंतरिक रूप से स्वस्थ होने पर प्रश्नचिह्न खड़े होते हैं। इस समय उनके कई वीडियो वायरल हैं, जिनमें दो की चर्चा प्रासंगिक होगी। एक जनता दरबार का है जहां गृह मंत्रालय से संबंधित समस्या आती है। वे अधिकारियों को कहते हैं कि गृहमंत्री को फोन लगाइए जबकि गृह मंत्रालय उनके पास है। अधिकारी कभी किसी मंत्री को फोन लगाते हैं तो कभी किसी अधिकारी को। वह पूछते हैं कि किसे लगाया और कहते हैं, हेत्तोरी के, काटिए। दूसरा वीडियो एक मंत्री के पिता की मृत्यु पर पुष्पांजलि का है।

वो पुष्प उठाते हैं और शव पर डालने की बजाय मंत्री के शरीर पर डाल देते हैं। ये दो घटनाएं क्या बतातीं हैं? इसका निष्कर्ष आप स्वयं निकालिए कि नीतीश जी इस समय किस अवस्था से गुजर रहे हैं? कोई संतुलित मस्तिष्क का व्यक्तित्व इस तरह का व्यवहार नहीं कर सकता। जनसंख्या नियंत्रण पर पति-पत्नी के यौन संबंधों का वैसा वक्तव्य न विधानसभा में किसी ने दिया होगा और न शायद आगे देगा। आप स्वयं अपनी निंदा कर लीजिए, माफी मांग लीजिए वैसे शर्मनाक वक्तव्य की गलती खत्म नहीं हो जाती। जीतनराम मांझी जैसे वरिष्ठ नेता को अपमानित करने का प्रसंग बिहार विधानसभा के इतिहास का ऐसा अध्याय बन गया है जिसकी चर्चा वर्षों तक होगी। उसमें नीतीश जी का नाम किस तरह लिया जाएगा इसकी कल्पना आसानी से की जा सकती है।
एक समय नीतीश के नाम के साथ सुशासन और बिहार को सम्मान दिलाने वाले गीत बनते थे। यह अपने आप हुआ नहीं है। नीतीश जी के गंभीर घोर समर्थक भी व्यक्तिगत बातचीत में कहने लगे हैं कि अब उनके सोच और व्यवहार की गाड़ी पटरी से उतर चुकी है। यह विचार करना पड़ेगा कि ऐसी स्थिति आई क्यों? नीतीश जी से ज्यादा उम्र के लोग अभी भी राजनीति में हैं। इसलिए विरोधियों और समर्थकों का यह कहना कि वह संतुलन रखने के उम्र को पार कर गए हैं सही नहीं है। क्या यह वर्तमान गठबंधन के भीतर असहज माहौल और व्यवहार की परिणति है? 2017 में जब नितीश जी राजद से अलग हुए थे, उन्होंने जो कारण बताया या उनके लोगों ने जो वक्तव्य दिये उन्हें याद करिए। लालू जी की अपनी राजनीतिक स्थिति सशक्त करने तथा पुलिस प्रशासन को व्यक्तिगत रूप से हैंडल करने के कारण नीतीश कुमार और उनके लोग परेशान हो गए थे। कानून और व्यवस्था के मामले में भी पुलिस प्रशासन पर इनका शत- प्रतिशत नियंत्रण नहीं था। कई बार लालू जी के यहां के आदेश क्रियान्वित हो जाने के बाद मुख्यमंत्री को पता चलता था।
भाजपा के साथ गठबंधन में स्थिति बिल्कुल अलग थी। पूरा मंत्रिमंडल और भाजपा विधानमंडल नीतीश जी को ही नेता मानकर काम करता था। उस समय नीतीश गठबंधन के सर्वमान्य और सर्वप्रभावी नेता थे। लंबे समय इस हैसियत में काम करने के बाद ऐसे गठबंधन में स्वयं को समायोजित करना संभव नहीं होता जहां मुख्यमंत्री रहते हुए भी सर्वमान्य और सर्वप्रभावी नेता की स्थिति नहीं हो। 2017 में वैसी स्थिति थी कि वे वापस भाजपा के साथ आ गए। अरु ण जेटली जीवित थे इस कारण आरंभ में हिचकिचाहट दिखाते हुए भी भाजपा के साथ सरकार बन गई। अब वह जिस सीमा तक चले गए उसमें वापसी कठिन है। बिहार की राजनीति पर नजर रखने वाले बताते हैं कि लालू यादव और उनके परिवार के लोग मानते हैं कि नीतीश साथ हैं किंतु वे दिल से किसी के नहीं हो सकते। लालू जी कई बार बोल चुके हैं कि नीतीश के पेट में दांत है। साथ रहते हुए भी राजद की अपनी राजनीतिक कवायद समानांतर चलती है। बड़ा दल होने के कारण उनके मंत्रियों और नेताओं का व्यवहार भी नीतीश जी को असामान्य बनाने के लिए पर्याप्त हैं।
बिहार के गांव-गांव में लोग बता रहे हैं कि उनके यहां जाति आधारित गणना करने कोई आया नहीं। फिर यह रिपोर्ट कैसे तैयार हो गई? क्या यह समाचार नीतीश जी और उनके रणनीतिकारों के पास नहीं पहुंचता है? उन्हें भी इसका आभास हुआ होगा कि जाति आधारित गणना का उनके राजनीतिक साझेदार ने अपनी राजनीतिक दृष्टि से उपयोग किया है। वे अपने आदेश से हुई गणना को नकार भी नहीं सकते। वह इस पर न कुछ बोल सकते हैं और न सरकार से अलग हो सकते हैं। ऐसे में झुंझलाहट, तमतमाहट, चिड़िचड़ाहट, गुस्सा और संतुलन खो जाने की स्थिति स्वाभाविक होती है। यह केवल मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार की नहीं बिहार की त्रासदी है।

-अवधेश कुमार-

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

मतदाताओं ने लोकतंत्र के महापर्व में उत्साह से लिया हिस्सा,किया 80.18 प्रतिशत मतदान

- बुज़ुर्ग,दिव्यांग,महिला और युवा मतदाताओं ने बेहद उत्साह के साथ किया मतदान
- जिले के वरिष्ठ अधिकारियों ने मतदान कर लोकतंत्र के महापर्व पर निभाई सहभागिता
- मतदान केंद्रों में मतदाता मित्र बने वरिष्ठ जनों के लिए मददगार
- संगवारी मतदान केन्द्रों में महिलाओं ने बखूबी निभाई मतदान कराने की जिम्मेदारी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,17 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

जिला मुख्यालय अंबिकापुर सहित तीनों विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं ने लोकतंत्र के महापर्व में उत्साह से हिस्सा लिया। तीनों विधानसभा में सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक जिले में कुल 80.18 प्रतिशत मतदान हुआ। जिले में शांतिपूर्वक मतदान के बाद देर शाम को तीनों विधानसभा के 41 प्रत्याशियों का ईवीएम मशीन में कैद किस्मत को स्ट्रांग रूम पॉलिटेक्निक कॉलेज में सील कर दिया गया। समस्त प्रत्याशी व निर्वाचन अधिकारी के मौजूदगी में देर रात तक ईवीएम जमा करने का सिलसिला चलता रहा। अब तीन दिसंबर को रिजल्ट आने के बाद साफ हो पाएगा कि विधानसभा का ताज किसके सर होगा। सभी प्रत्याशियों ने अपने-अपने मतदान केन्द्रें में अपना मत डाला। कुछ क्षेत्र में विधायक प्रत्याशी अपने क्षेत्र के मतदान केन्द्र के बाहर लोगों को अपने पक्ष में मतदान करने के लिए अपील करते दिखें।

जिले में तीनों विधानसभा क्षेत्र के लिए शुक्रवार को अपने विधायक चुनने के लिए मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। ग्रामीण क्षेत्रों में मतदाता सुबह 7 बजे से ही वोट डाइने के लिए कतार में लग गए थे। जबकि निर्वाचन आयोग के नियत समय के अनुसार मतदान सुबह 8 बजे से शुरू हुआ। जो शाम 5 बजे तक चला। मतदान के लिए लोगों में काफी उत्साह देखने को मिला। मतदान के लिए पहले मत का उपयोग करने वाले मतदाताओं में खुशी साफ झलक रही थी। वहीं, शहर के मतदान केन्दों में भी वोटरों में विशेष उत्साह देखा गया। अंबिकापुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत प्रतापपुर नाका, चांदनी चौक, केदारपुर सहेली गली, नवापारा, बाबूपारा नया बस स्टैण्ड में आदर्श मतदान केन्द्र बनाया गया था। जहां वोटरों ने मतदान के बाद सेल्फी जोन में अपनी सेल्फी लेकर लोकतंत्र का हिस्सा बने। वहीं जिले के सभी विधानसभा में 10-10 बूथ महिलाओं के जिम्मे सौंपे गए थे। महिला कर्मियों ने इस काम को पूरे उत्साह के साथ सफलतापूर्वक पूरा किया। विधानसभा चुनाव की ट्रेनिंग के दौरान कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी समय-समय पर संगवारी बूथ की महिला कर्मियों का हौसल बढ़ाते दिख रहे थे। महिलाओं ने पूरे उत्साह के साथ दिनभर ड्यूटी की और लोगों का मतदान करवाया। महिलाओं को ड्यूटी करते देख वोटर्स भी उत्साहित नजर आए और उन्होंने कहा कि पिंक बूथ की संख्या आगे और बढ़ानी चाहिए। यह महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में एक सराहनीय पहल है। इसके साथ ही ये विशेष मतदान केंद्र पूर्ण साज-सज्जा के साथ तैयार किए गए थे। इन मतदान केंद्रों में थीम के अनुसार सजावट की गई थी। ताकि मतदाता स्वतः ही मतदान हेतु प्रेरित हों सकें। अम्बिकापुर के मतदान डिगमा 1 में रामगढ़ एवं आदिवासी थीम, मतदान प्रतापपुर नाका में माई अम्बिकापुर थीम, मतदान देवीगंज रोड स्कूल रोड में स्थानीय त्योहार चंद्रयान थीम, मतदान केन्द्र विजय मार्ग चर्च रोड, मतदान केन्द्र फुन्दुरडिहारी पटेल में पारा, मतदान केन्द्र नवापारा में तथा मतदान केन्द्र टीसीपी एरिया में गोदना आर्ट थीम, मतदान केन्द्र बाबूपारा नया बस स्टैण्ड एवं मतदान केन्द्र दर्रीपारा केन्द्रीय जेल में तथा मतदान केन्द्र दर्रीपारा महिला हास्पिटल में छठ पूजा थीम पर सजाए गए थे। इसी तरह लुण्ड्रा व सीतापुर में भी विशेष मतदान केन्द्रों को भी सुसजित किया गया था।

पहली बार वोट देकर युवा मतदाता दिखे बेहद उत्साहित,वोट को बताया सबसे बड़ी ताकत

युवा मतदाता श्रेया पांडेय ने आज पहली बार अपना वोट दिया। मतदान केंद्र क्रमांक 120 उद्योग केंद्र में अपना वोट देकर वे बेहद उत्साहित दिखी। इसी तरह युवा मतदाता पूर्णिमा ने मतदान कर सभी से लोकतंत्र की मजबूती हेतु मतदान अवश्य करने की अपील की। मतदान केंद्र क्रमांक 58 चांदनी चौक में युवा प्रांजलि शर्मा ने आज पहली बार अपना वोट डाला। उन्होंने बताया कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने में अपनी सहभागिता दर्ज कर आज वे बेहद खुश एवं उत्साहित हैं।

उम्र ज्यादा, पर जोश दुगुना,बुजुर्ग और दिव्यांग मतदातओं ने मतदान केन्द्र पहुंचकर किया मतदान

स्वयं ट्राइसिकल चलाकर पूरे जोश और जज़्बे के साथ मतदान देने मतदान केंद्र क्रमांक 58 नगर निगम विद्यालय स्थित आदर्श मतदान केन्द्र पहुंचे दिव्यांग मुन्ना प्रसाद सोनी ने मतदान को सबसे महत्वपूर्ण अधिकार बताया। 84 साल के श्री छेदीलाल गुप्ता ने मतदान केंद्र क्रमांक 66 चांदनी चौक में अपना वोट दिया और कहा सभी वोट जरूर दें। इसी तरह 85 वर्षीय राम जीत तिवारी ने अंबिकापुर मतदान क्रमांक 58 चांदनी चौक में अपना वोट दिया। उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र का पर्व है, मतदान अवश्य देना चाहिए। उन्होंने मतदान कराने हेतु की गई व्यवस्थाओं को भी सराहा।

विधानसभावार मतदान प्रतिशत

अंबिकापुर	75.58 प्रतिशत
लुण्ड्रा	85.01 प्रतिशत
सीतापुर	81.31 प्रतिशत

मतदान केंद्रों में मतदाता मित्र बने वरिष्ठ जनों के लिए मददगार

पैर में फैक्चर के कारण चलने-फिरने में असमर्थ रुक्मणी देवी केड़िया मतदान केंद्र तक जैसे ही पहुंची, मतदाता मित्रों ने उन्हें देखा तुरंत सहायता के लिए आगे आए और उन्हें व्हीलचेयर के द्वारा मतदान कक्ष तक पहुंचाया। रुक्मणी देवी ने इस सहायता के लिए खुशी जाहिर करते हुए उनका धन्यवाद किया और मतदान के दौरान मिली इस सुविधा के लिए भी धन्यवाद किया। सभी मतदान केंद्रों में मतदाताओं के सहयोग के लिए मतदाता सहायक (वोटर असिस्टेंट) मौजूद रहे। वोटर असिस्टेंट द्वारा मतदाताओं को मतदाता सूची में नाम ढूंढने और मतदान केंद्र के संबंध में जानकारी प्रदान करने के साथ ही वे दिव्यांग और वरिष्ठ जनों का मददगार बनकर खड़े रहे। मतदाता मित्र के रूप में एनएसएस और स्काउट गाइड के कैडेट्स मतदान केंद्रों में दिव्यांग, वरिष्ठ नागरिकों तथा शारीरिक रूप से अक्षम मतदाताओं को सहयोग प्रदान करने एवं व्हील चेयर, पेयजल, उपलब्ध कराने में सहयोगी रहे। मतदान केंद्रों में पहुंचे कई वरिष्ठ और दिव्यांग मतदाताओं ने प्रशासन की इस पहल को काफी सराहा।

संगवारी मतदान केन्द्रों में महिलाओं ने बखूबी निभाई मतदान कराने की जिम्मेदारी

जिले में 30 संगवारी मतदान केंद्र बनाये गये थे। जहां महिला मतदान कर्मियों ने बखूबी अपनी जिम्मेदारी निभाई। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में मतदान केंद्र क्रमांक 74 में सुचारू रूप से मतदान संचालित कराती महिला मतदान कर्मीयों ने कहा कि पहली बार मतदान कराने की ये जिम्मेदारी पाकर बेहद खुशी हुई। अब तक मतदाता बनकर लोकतंत्र के सशक्तीकरण में शामिल हुए थे, इस बार मतदान कराकर सक्रिय सहभागिता निभाने का अनुभव बेहद खास है।

धर्मपत्नी की तेरहवीं का दिन होने के बावजूद सबसे उपर रखा मतदान का कर्तव्य

विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 10 अम्बिकापुर के मतदान केंद्र क्रमांक 48 गोधनपुर में श्री सुरेश शर्मा मतदान हेतु पहुंचे। उन्होंने अपनी धर्मपत्नी की तेरहवीं का दिन होने के बावजूद मतदान कर एक नागरिक और एक आदर्श मतदाता होने का दायित्व निभाया।

छत्तीसगढ़ में दो तिहाई बहुमत से बनेगी कांग्रेस सरकार:टीएस सिंहदेव

उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के प्रति जनता का अपार स्नेह है। हमें पूरी उम्मीद है कि छत्तीसगढ़ में दो तिहाई बहुमत के साथ कांग्रेस दुबारा सरकार बनाएगी। उन्होंने छत्तीसगढ़ में कम से कम 55 से 60 सीट आने की बात कही है। उक्त बातें उप मुख्यमंत्री सिंहदेव ने अपना मतदान करने के बाद कही। छत्तीसगढ़ में हो रहे दूसरे चरण के मतदान में आज शुक्रवार को अंबिकापुर विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव अपने परिवारजनों के साथ मतदान करने बाबूपारा स्थित राजमोहिनी देवी गर्ल्स कॉलेज भवन पहुंचे, जहां उन्होंने मतदान किया।

इस बार मुख्यमंत्री बनने के प्रश्न पर सिंहदेव ने कहा कि पार्टी मुझे जो भी जिम्मेदारी देगी मैं उसके लिए तैयार हूं।

उपमुख्यमंत्री के साथ मतदान करने सरगुजा राज परिवार की बहू त्रिशाला सिंह देव एवं आदित्येश्वर शरण सिंह देव भी पहुंचे थे।

थीम आधारित आदर्श मतदान केन्द्रों ने मतदाताओं को किया आकर्षित

अम्बिकापुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत उदयपुर विकासखंड के दूरस्थ ग्राम मझवार जनजाति बाहुल्य पहाड़ कोरजा में मतदान के प्रति तो मतदाताओं का अद्भुत उत्साह देखने को मिला ही, साथ ही आदिवासी संस्कृति को दर्शाता मतदान केंद्र 268 पहाड़ कोरजा भी कौतूहल का विषय बना। इसी तरह मैनपाट में तिब्बती धार्मिक परंपरा की थीम पर सजा आदर्श मतदान केन्द्र मतदान केंद्र दयानंद एंग्लो वैदिक स्कूल, नर्मदापुर, छठ पूजा थीम आधारित आदर्श मतदान केंद्र, शासकीय राजमोहिनी देवी कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आदर्श एवं संगवारी मतदान केंद्र क्रमांक 125, इको फेंडली संगवारी आदर्श मतदान केन्द्र 49 वन मण्डल कार्यालय, प्रतापपुर नाका बेहद सुदंर साज-सज्जा के साथ तैयार रहे।

अधिकारियों ने भी किया वोट

जिले के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी लोकतंत्र के महापर्व पर मतदान कर अपनी सहभागिता निभाई। सरगुजा सम्भाग आयुक्त शिखा राजपूत तिवारी ने मतदान केंद्र जिला उद्योग केंद्र अम्बिकापुर में तथा आईजी अंकित गर्ग ने सपत्नीक मतदान केंद्र प्राथमिक शाला पुलिसलाइन में मतदान किया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कुन्दन कुमार पत्नी पारुल माथुर के साथ मल्टीपरपज स्कूल में मतदान किया। पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा ने जिला उद्योग केंद्र अम्बिकापुर में मतदान कर लोकतंत्र में अपनी सहभागिता निभाई। इस दौरान सेल्फी भी लिए।

वोटिंग करने गए युवक को हाथी ने कुचलकर मार डाला

मतदान केंद्र के नजदीक पहुंच गया था हाथी

कोरिया जिले के खडगवां वनपरिक्षेत्र का मामला, फॉरेस्ट अधिकारियों की मौजूदगी में कराया गया पीएम,मृतक के परिजनों को तात्कालिक सहायता राशि के रूप में दिए गए 25 हजार रुपए

- रवि सिंह -
बैकुंठपुर, 17 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

कोरिया वनमंडल में विधानसभा चुनाव में शुक्रवार को वोट डालने गए एक ग्रामीण युवक को हाथी ने कुचलकर मार डाला। बताया जा रहा है कि सुबह क्षेत्र में वोटिंग चल रही थी, इसी बीच एक हाथी मतदान केंद्र के आस-पास पहुंच गया था। इधर वोट डालने गए युवक को अचानक हाथी से सामना हो गया था। युवक की मौत से उसके परिजनों में जहां मातम पसर गया है, वहीं क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

वापस लौटे मतदान दल को पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया स्वागत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,17 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

लुण्ड्रा विधानसभा के मतदान केंद्र रामनगर से सफलतापूर्वक मतदान कराकर लौटे मतदान कर्मियों को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कुंदन कुमार तथा पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा ने सभी सदस्यों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। उन्होंने बधाई देते हुए मतदान दल का कुशलक्षेम जाना। मतदान दलों की वापसी के बाद उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए पॉलिटेक्निक कॉलेज में श्रीगढ़ की महालक्ष्मी स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा भोजन तैयार किया जा रहा है। कलेक्टर एवं एसपी ने स्वयं भोजन चखकर गुणवत्ता की जांच की तथा कहा कि भोजन की गुणवत्ता के साथ समझौता ना हो। स्वच्छता पर विशेष ध्यान दें, भीड़ की स्थिती ना बने इसलिए मैनेजमेंट पर पूरा ध्यान रखें।

पूर्व पीएम अमेरिकी अधिकारी के खिलाफ करेंगे कानूनी कार्रवाई;गुप्त राजनयिक केबल मामले में बहन का बयान

इस्लामाबाद, 17 नवम्बर 2023। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान अमेरिकी विदेश विभाग के वरिष्ठ अधिकारी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे। यह कहना है इमरान की बहन अलीमा खान का। बता दें कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के 71 वर्षीय अध्यक्ष खान वर्तमान में सिफर मामले में न्यायिक रिमांड पर रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं। उनकी बहन अलीमा खान ने कहा है कि अगर जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री को पाकिस्तानी अदालतों से न्याय नहीं मिला तो वह विदेश विभाग के अधिकारी डोनाल्ड लू के खिलाफ अमेरिका में मामला दर्ज कराएंगे।

दरअसल, पाकिस्तान के बहुचर्चित सिफर मामले (गुप्त राजनयिक केबल) में इमरान खान पर गंभीर आरोप लगे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री पर आरोप है कि अगस्त 2018 से अप्रैल 2022 तक पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के रूप में कार्य करने के दौरान उन्होंने सिफर की सामग्री का दुरुपयोग किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक पिछले साल दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के ब्यूरो के सहायक सचिव डोनाल्ड लू और पाकिस्तानी दूत असद मजीद खान सहित अमेरिकी विदेश विभाग के अधिकारियों के बीच एक बैठक का विवरण था।

इमरान खान पर आरोप है कि उन्होंने पाकिस्तान की सरकार के खिलाफ साजिश रचने की कहानी गढ़ी। बता दें कि इमरान खान ने आरोप लगाया था कि उनकी सरकार को अमेरिका में रची गई साजिश के कारण गिरा दिया गया। हालांकि, अमेरिका ने इस आरोप का बार-बार खंडन किया है। जियो न्यूज की शुक्रवार की रिपोर्ट के अनुसार, पीटीआई प्रमुख इमरान की बहन ने अदियाला जेल में उनसे मुलाकात की।

भाई से मुलाकात के बाद इमरान खान की बहन ने कहा, पीटीआई के अध्यक्ष ने कहा कि अगर उन्हें पाकिस्तानी अदालतों से न्याय नहीं मिला तो वे डोनाल्ड लू के खिलाफ अमेरिकी अदालतों में मामला दायर करेंगे।÷ उन्होंने कहा कि पार्टी का मानना है कि पाकिस्तान में अमेरिकी दूतावास इमरान खान की सरकार को गिराने की साजिश में शामिल था।

मंगलवार को, इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) ने गुप्त राजनयिक केबल मामले में इमरान खान के खिलाफ स्थगन आदेश जारी किया। अदालत ने उन ÷परिस्थितियों÷ के बारे में जानकारी मांगी, जिसके कारण मुकदमा उच्च सुरक्षा वाली रावलपिंडी जेल में चलाया गया।

अलीमा ने कहा कि हाईकोर्ट ने स्थगन आदेश जारी किया। इस मामले में वे धाराएं जोड़ी गईं जिनके तहत मौत की सजा या आजीवन कारावास हो सकता है। उन्होंने कहा, ÷हमें बताया जाना चाहिए कि पीटीआई अध्यक्ष ने क्या अपराध किया, जिसके आधाक पर इस तरह की धाराएं जोड़ी गईं। राणा सनाउल्लाह (पाकिस्तान के पूर्व संघीय आंतरिक मंत्री) ने पीटीआई अध्यक्ष के खिलाफ मामला दर्ज कराया (हमें) पाकिस्तान में न्याय मिलना चाहिए।÷

रिपोर्ट के अनुसार, अलीमा ने कहा कि भोजन के संबंध में पीटीआई प्रमुख इमरान खान ने उनसे कोई शिकायत नहीं की। उन्होंने दावा किया कि इमरान की सेहत अच्छी थी। कैद के दौरान उनकी दिनचर्या काफी अच्छी थी। खान के करीबी सहयोगी और पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी को भी सिफर यानी गुप्त राजनयिक मामले में गिरफ्तार किया गया था। फिलहाल, इमरान अदियाला जेल में कैद हैं।

इमरान खान और शाह महमूद कुरैशी ने अदालत से अपील की है कि उनके खिलाफ लगाए गए तमाम आरोप बेबुनियाद हैं। पाकिस्तान की कार्यवाहक सरकार ने मार्च, 2022 में वॉशिंगटन में पाकिस्तानी दूतावास की तरफ से भेजे गए गुप्त राजनयिक केबल के कथित उल्लंघन के आरोपों पर दोनों पर जेल ट्रायल को मंजूरी दी गई थी। हालांकि, हाईकोर्ट ने इस पर रोक लगा दी। बीते अगस्त में पाकिस्तान की संघीय जांच एजेंसी ने उन पर मामला दर्ज किया था।

इमरान खान को पाकिस्तान की संसद में अप्रैल 2022 में लाए गए अविश्वास प्रस्ताव के बाद इस्तीफा देना पड़ा था। सत्ता से बाहर होने के बाद से उनके खिलाफ 150 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। इमरान के खिलाफ आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत आरोप लगाए गए हैं।

पुरातात्विक स्थल मोहनजोदड़ो से मिला तांबे के सिक्कों से भरा बर्तन,जांच के लिए लैब भेजा गया

इस्लामाबाद, 17 नवम्बर 2023। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में संरक्षण कार्य के दौरान यूनेस्को के वैश्विक धरोहर स्थल मोहनजोदड़ो के एक स्तूप से तांबे के सिक्कों से भरा एक बर्तन मिला। एक मीडिया रिपोर्ट में शुक्रवार को यह जानकारी दी गई।

द न्यूज इंटरनेशनल ने संरक्षण एवं परिरक्षण निदेशक सैयद शाकिर शाह के हवाले से बताया कि मजदूर एक ढही हुई दीवार की खुदाई कर रहे थे, जब उन्हें गुरुवार को प्राचीन तांबे के सिक्कों से भरा एक बर्तन मिला। बर्तन में सावधानी पूर्वक पैक किए गए सिक्कों को विश्लेषण के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है।

उन्होंने कहा, इन सिक्कों पर अंकित भाषा और संख्याओं की व्याख्या और विश्लेषण करने के लिए इन पर अनुसंधान किया जाएगा कि ये सिक्के कितने पुराने थे। सटीक समय अवधि और अन्य प्रासंगिक विवरणों की पुष्टि केवल प्रयोगशाला विश्लेषण के बाद ही की जा सकती है। 1980 में यूनेस्को की उत्कृष्ट सार्वभौमिक मूल्य के विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल मोहनजोदड़ो के पुरातात्विक खंडहर तीसरी सहस्राब्दी ईसा पूर्व में पूरी तरह से कच्ची ईंटों से बने हैं। यह सिंधु घाटी में स्थित है।

यूएनजीए अध्यक्ष ने सुरक्षा परिषद में सुधार का किया आग्रह

संयुक्त राष्ट्र ,17 नवंबर 2023। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 78वें सत्र के अध्यक्ष डेनिस फ्रांसिस ने कहा, यूक्रेन और गाजा में उथल-पुथल से प्रभावित दुनिया में, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की तत्काल आवश्यकता है।

शांति और सुरक्षा के लिए संयुक्त राष्ट्र के सबसे महत्वपूर्ण मंच का मूल्यांकन करते हुए असेंबली के वार्षिक चर्चा के बीच, फ्रांसिस ने गुरुवार को गहरे विश्वास के साथ कहा कि बुनियादी संरचनात्मक सुधार के बिना, परिषद की प्रभावशीलता और विश्वसनीयता उत्तरोत्तर कम होती जाएगी।

उन्होंने कहा, दुनिया भर के क्षेत्रों में हिंसा और युद्ध फैल रहा है, जबकि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद पंगु होता जा रहा है।

उन्होंने कहा, दुनिया तेजी से बदल रही है, परिषद अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा में असफल हो रही है। यूएनजीए अध्यक्ष ने रेखांकित किया कि परिषद में सुधार का सवाल 1979 से एजेंडे में है, दुनिया भर में बढ़ते संघर्ष के बीच सुधार की मांग बढ़ी है।

सितंबर की वार्षिक उच्च-स्तरीय बहस में, परिषद में सुधार, इसकी सदस्यता का विस्तार सहित, मंच से एक आम बात थी।

हाल के यूक्रेन संकट और इजराइल-फिलिस्तीन संकट जैसे मामले में एक रूख पर सहमत होने में सुरक्षा परिषद की असमर्थता ने सुधार को और अधिक रेखांकित किया है। सुरक्षा परिषद ने 7 अक्टूबर को संकट उत्पन्न होने के बाद बुधवार को इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष पर अपना पहला प्रस्ताव पारित किया।

अपने भाषण में, फ्रांसिस ने सभा को चेतावनी दी कि सुरक्षा परिषद में गतिरोध अराजकता से निपटने जितना ही चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

उन्होंने सुधारों पर नए सोच का आग्रह करते हुए कहा, मैं इस प्रतिष्ठित सदन को आगाह करता हूं कि गतिरोध अराजकता जितना ही दुर्जेय शत्रु हो सकता है। हम उन स्थितियों को उपयोगी रूप से कायम नहीं रख सकते हैं, जो परिचित होते हुए भी हमें एक साथ लाने में विफल रहती हैं।

फ्रांसिस ने कहा, जिन तरीकों से हम विश्वास को बहाल कर सकते हैं, उनमें से एक है एकजुटता और सुलह को मजबूत करना और अगले साल भविष्य के शिखर सम्मेलन के महत्व पर प्रकाश डालना।

खदीजा शाह जेल से बाहर आते ही फिर गिरफ्तार; इमरान की पार्टी की नेता हैं पूर्व सेनाध्यक्ष की पोती

लाहौर, 17 नवम्बर 2023। पाकिस्तान के पूर्व सेना प्रमुख की पोती खदीजा शाह को जेल से रिहा होने के बाद फिर से गिरफ्तार किया गया है। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी की नेता खदीजा को नौ मई की हिंसा में कथित संलिप्तता के लिए गिरफ्तार किया गया था। शुक्रवार को रिहा होने के तुरंत बाद खदीजा को लाहौर में फिर से गिरफ्तार कर लिया गया।

जनरल आसिफ नवाज जंजुआ की पोती और पेशे से फैशन डिजाइनर खदीजा शाह को सार्वजनिक व्यवस्था रखरखाव (एमपीओ) अध्यादेश के तहत 30 दिनों की अवधि के लिए हिरासत में लिया गया था। पंजाब प्रांत की पुलिस ने कहा, उनकी रिहाई से प्रांत में कानून-व्यवस्था की स्थिति पैदा हो सकती है।÷ पंजाब प्रांत में लाहौर की कोट लखपत जेल से बाहर आते ही उन्हें दोबारा गिरफ्तार कर लिया गया।

बीते नौ मई को हुई हिंसा के दौरान लाहौर कोर कमांडर हाउस और पूर्व सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा के बेटे के प्लाजा पर हमले हुए थे। शाह को इसी सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। मई के बाद वह बीते पिछले छह महीने से जेल में थे।

गौरतलब है कि बीते 9 मई को रावलपिंडी में सेना के मुख्यालय और फैसलाबाद शहर में आईएसआई भवन सहित राज्य और सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला करने और आग लगाने के आरोप में देश भर में कम से कम 10,000 पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) नेताओं और कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया था। पाकिस्तान की राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) की तरफ से दर्ज भ्रष्टाचार के एक मामले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को भी गिरफ्तार किया गया है। इमरान की पार्टी की नेता खदीजा शाह को आतंकवाद के सभी चार मामलों में जमानत मिल गई। लाहौर की आतंकवाद विरोधी अदालत ने शुक्रवार को उनकी तत्काल रिहाई का आदेश दिया। हालांकि, जैसे ही शुक्रवार को खदीजा जेल से छूटीं, पुलिस की एक भारी टुकड़ी कोट लखपत जेल के बाहर पहुंची और उन्हें सार्वजनिक आदेश अध्यादेश के तहत गिरफ्तार कर लिया।

लाहौर के डिप्टी कमिश्नर ने उनकी हिरासत का आदेश जारी किया। शाह पर नौ मई को पेशावर में हुई हिंसा से जुड़े एक अन्य आतंकवादी मामले में मामला दर्ज किया गया है। इससे पहले, शाह ने जेल से एक खुला पत्र लिखकर खुद सहित पार्टी की 19 महिला कैदियों के लिए सहानुभूति और मानवता÷ की मांग की थी।

शाह ने कहा कि 9 मई के विरोध प्रदर्शन में शांतिपूर्वक भाग लेने के लिए उन्हें चार महीने से अधिक समय तक जेल में रखा गया था। उन्होंने कहा, लाहौर की कोट लखपत जेल में प्रत्येक पीटीआई महिला कैदी को अकल्पनीय सजा भुगतनी पड़ी है।

अपने साथ कैद 18 निर्दोष महिलाओं की दुर्दशा के बारे में लिखते हुए, शाह ने कहा; इन महिला कैदियों की दुनिया तक कोई पहुंच नहीं है और वे अपनी दुर्दशा साझा करने में असमर्थ हैं; उनके परिवार उनके बिना जीवन की मांगों को संतुलित करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

सूरजपुर जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों में पांच बजे तक लगभग 80.12 फीसदी हुआ मतदान

» हरकिसी का मजबूत है अपना दावा

» प्रदेश में विधानसभा चुनाव के नतीजों के लिए मतगणना 3 दिसंबर को

– संवाददाता –
सुरजपुर, 17 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

जिले के तीनो विधानसभा प्रेमनगर भटगांव प्रतापपुर के लिए छिटपुट घटनाओं को छोड़कर शांतिपूर्ण ढंग से मतदान संपन्न हुआ। लोक तंत्र के इस महा उत्सव में लोगो ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। तीनो विधान सभा में शाम पांच बजे तक लगभग 80.12 फीसदी मतदान होने की खबर है वही मतदान केंद्रों में कैंपस के अंदर वोट डालने के लिए कतार में लगे रहने की खबर है।

इस चुनाव में मतदान के प्रति मतदाताओं में भारी उत्साह दिखा है। ग्रामीण क्षेत्रों में मतदाताओं विशेषकर महिलाओं की मतदान केंद्रो में सुबह से लबी- लंबी कतारें दिखाई दीं। अपरान्ह तीन बजे तक जिले की तीनों विधानसभा क्षेत्रों में 60 प्रतिशत से अधिक मतदान हो चुका था।

मतदान केन्द्रों में मतदाताओं की कतारें लगी हुई हैं। मतदान शाम 5 बजे तक होगा। इस समय तक मतदान केंद्र पहुंच जाने वाले मतदाता 5 बजे के बाद भी कतार खत्म होने तक मतदान कर सकेंगे। अधिकारियों का अनुमान है कि 80- 85 प्रतिशत तक मतदान हो सकता है। अधिकारियों ने कहा कि हमने शत-प्रतिशत मतदान की कोशिश की है।

ईवीएम में 15दिन के लिए कैद हुआ प्रत्याशियों का भाग्य

विधानसभाचुनाव संपन्न होने के बाद अब इंतजार नतीजों का है। 15 दिन के लिए तीनों विधानसभा क्षेत्रों के 42 उम्मीदवारों का भाग्य ईवीएम में कैद हो गया है। चुनावी भागदौड़ के बाद प्रत्याशियों के लिए अब मंथन का दौर शुरू हो गया है। हर कोई अपनी हार जीत का आंकलन लगा रहा है और साथ ही उनके समर्थक भी वोटों का जोड़-घटाव कर रहे हैं। समर्थकों के लिए अपने अपने नेता की जीत तय है लेकिन जीत या हार का सही परिणाम तो 3 दिसंबर को ही सामने आएगा।

हरकिसी का मजबूत है अपना दावा

उम्मीदवारोंके भविष्य को तय करने के लिए जनता के पास 9 घंटे का समय था। इन 9 घंटों में लोगों ने भी लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत किया। गत चुनाव के मुकाबले इस बार विधानसभा चुनावों में मतदान का प्रतिशत अधिक रहने का अनुमान लगाया जा रहा है। मतदान से पहले जमकर पसीना बहाने वाले प्रत्याशियों के भाग्य को मतदाताओं ने ईवीएम में कैद कर दिया गया है। ईवीएम का दरवाजा अब 3 दिसंबर को ही खुलेगा।

प्रेमनगर विधानसभा सीट पर 13, भटगांव विधानसभा सीट पर 17 प्रतापपुर विधानसभा सीट पर 12 प्रत्याशी चुनावी मैदान में थे। इन सभी 42 प्रत्याशियों में से भले ही परिणाम से पहले हर किसी को अपनी जीत नजर आ रही है, लेकिन इस अटूट सत्य से कोई इनकार नहीं कर सकता कि तीनों विधानसभा सीटों से तीन ही एमएलए बनने हैं।

विधानसभा क्षेत्र का नाम-भटगांव 05

समय - 5:00 PM
मतदान का प्रतिशत-81.35%
उस समय तक मतदान कर चुके पुरुष-90722
उस समय तक मतदान कर चुकी महिलाएं-94195

विधानसभा क्षेत्र का नाम- 06 प्रतापपुर

समय - 05 PM
मतदान का प्रतिशत-79.44%
उस समय तक मतदान कर चुके पुरुष-86287
उस समय तक मतदान कर चुकी महिलाएं-91550

विधानसभा क्षेत्र का नाम-प्रेमनगर

समय - 05 PM
मतदान का प्रतिशत-79.56%
उस समय तक मतदान कर चुके पुरुष-90732
उस समय तक मतदान कर चुकी महिलाएं- 92698

सुरक्षाव्यवस्था पुख्ता

प्रदेश में विधानसभा चुनाव के नतीजों के लिए मतगणना 3 दिसंबर को होगी। इसके लिए जिले के तीनो विधानसभा क्षेत्र के लिए परी स्थितआई टी आई भवन को मतगणना केंद्र एवं स्ट्रांग रूम बनाया गया है। स्ट्रांग रूम में ईवीएम मशीनों की सुरक्षा के लिए प्रशासन की ओर से पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। 15 दिन याने 3 दिसंबर तक इन मशीनों की सुरक्षा के लिए सीमा सुरक्षा बल सहित अन्य सुरक्षाकर्मियों पुलिस बल की नियुक्ति की गई है। सुरक्षा बलों के जवान आई टी आई भवन के अंदर बाहर मतगणना होने तक पूरी मुस्तैदी के साथ निगरानी रखेंगे।

2 जिला व तीन विधानसभा के 26 प्रत्याशियों का भाग्य ईव्हीएम में हुआ बंद

अब 03 दिसम्बर को होगा भाग्य का फैसला

-रवि सिंह-

कोरिया/एमसीबी 17 नवम्बर 2023

(घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण का मतदान 17 नवम्बर को किया गया जिसमें कोरिया व एमसीबी जिले के तीन विधानसभा के कुल 26 प्रत्याशीयों के भाग्य के लिये लोकतंत्र के महापर्व में अपनी सहभागिता निभाते हुये अपने मतों को प्रयोग कर प्रत्याशीयों के भाग्य के ईव्हीएम मशीन में बंद कर दिया है जिसकी गणना 03 दिसम्बर को होगी। मतदाताओं का मत ही प्रत्याशीयों के भाग्य का फैसला करेगा। तीन प्रत्याशी को ही राज करने का मौका मिलेगा जो मतदाताओं के मताधिकार से तय होगा। इस लोगतंत्र के महापर्व पर लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिये उत्साहित नजर आये प्रशासन के चाक चौबंद व्यवस्थाओं के बीच दो जिलों के तीन विधानसभा में चुनाव शांतिपूर्ण सम्पन्न हुआ। वहीं चुनावे के भागदौड़ से प्रत्याशीयों ने चैन की सांस ली वहीं उनका पूरा ध्यान आने वाले परिणाम पर होगा। मतदान के दिन कोरिया व एमसीबी कलेक्टर सहित एसपी ने भी अपने-अपने मतदान केन्द्र में जाकर अपने मतों को प्रयोग किया और लोगों से मतदान करने की अपील की। कोरिया कलेक्टर विनय कुमार लहंगे के उनकी पत्नी ने ओड़गी मतदान केंद्र 131 में मतदान किया साथ ही उनकी पत्नी श्रीमती एकता किशोर सिंह ने लाइन में लगकर मतदान में भाग लिया।

एमसीबी कलेक्टर एवं एसपी ने किया मतदान, जिले के सभी नागरिकों से मतदान करने की अपील की

चुनई तिहार के दिन कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नरेन्द्र कुमार दुग्गा ने सपरिवार आज सुबह कतार में लगकर मतदान किया। उनके साथ पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धार्थ तिवारी ने भी खोंगापानी सीआरओ कैम्प में बनाये मतदान क्रमांक 301 में सामान्य मतदताओं के समान लाइन में लग कर मतदान किया। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी दोनों मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया तथा विजीटर बुक का अवलोकन भी किया। कलेक्टर ने मतदान केंद्र में उपस्थित सुरक्षा बल के जवानों के साथ हाथ मिलाकर पूरी निष्ठा से अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही उन्होंने मतदान केंद्र में उपस्थित सभी अधिकारी-कर्मचारी को भी अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करने के लिए प्रेरित करते हुए ऑल द बेस्ट कहा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने परिवार के साथ सेल्फी ली। एसपी ने भी मतदान केंद्र में बनाए गए सेल्फी जोन में सेल्फी लिया। कलेक्टर ने मतदान केंद्र में उपस्थित सभी मतदाताओं को जागरूकता के साथ मतदान करने के लिए बधाई देते हुए शुभकामनाएं दी। मतदान केन्द्र में दिव्यांग मतदाताओं को मतदान कराने के लिए स्काउट गाइड के बच्चों को तैनात किया गया है। जिनको सेवा मित्र का नाम दिया गया है। कलेक्टर ने मतदान केन्द्र में उपस्थित बीएलओ को सभी का सहयोग करने की सलाह दी। इसके साथ ही कलेक्टर ने सभी मतदाता से अपने मताधिकार का उपयोग करने की अपील की।

आदर्श मतदान केन्द्रों की चर्चा

श्री लंगेह ने आदर्श मतदान केंद्र के सजावट पर कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देश पर ही बैकुंठपुर में 10 आदर्श संगवारी मतदान केंद्र बनाए गए हैं, उन्हें अलग-अलग थीम पर सजावट की गई है ताकि ज्यादा से ज्यादा संख्या में मतदाता मतदान करने लिए पहुंचे। श्री लंगेह ने जिले के युवाओं से अपील करते हुए कहा कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में मतदान करने पहुंचे, उन्होंने महिलाओं से भी बड़ी संख्या में मतदान करने की अपील की है।

कतारबद्ध होकर कलेक्टर ने भी किया मतदान

कलेक्टर श्री लंगेह कतार में मतदान करने के लिए लगे हुए थे और सामने 46 वर्षीय हरिनन्दन भी लाइन में लगे हुए थे उन्होंने कलेक्टर से आग्रह किया, आप आगे आ जाइए सर! तब कलेक्टर श्री लंगेह ने उन्हें विनम्रता पूर्वक कहा कि मेरी बारी आने पर ही मतदान करने जाऊंगा। श्रीमती रैमून मिसाल है कलेक्टर श्री विनय लंगेह ने दिव्यांग महिला मतदाता से कहा आपको बहुत धन्यवाद, आप वोट डालने यहाँ तक आई हो। आप युवाओं के लिए मिसाल हो। विदित हो कि श्रीमती रैमून बाई व्हीलचेयर के सहारे मतदान करने पहुंची थीं, तभी कलेक्टर श्री लंगेह की नजर पड़ी और उनके नजदीक जाकर यह बात कही।

इन मतदान केन्द्रों में हुआ शत-प्रतिशत मतदान

विधानसभा निर्वाचन 2023 अन्तर्गत विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 01 भरतपुर-सोनहत के मतदान केन्द्र क्रमांक 139 कांटो तथा मतदान केन्द्र क्रमांक 143 सेराडांड में 100 प्रतिशत मतदान हुये हैं। वही मतदान केन्द्र क्रमांक 134 जनौरा में 98 प्रतिशत, मतदान केन्द्र क्रमांक 162 रेवला में 100 प्रतिशत, मतदान केन्द्र क्रमांक 254 कछुआखोह में 98.22 प्रतिशत, मतदान केन्द्र क्रमांक 164 छिगुरा में 93.79 प्रतिशत, मतदान केन्द्र क्रमांक 213 केवराबहरा में 97.96 प्रतिशत तथा मतदान केन्द्र क्रमांक 228 दहियाडांड में 98.21 प्रतिशत मतदान हुआ है।

आदर्श मतदान केन्द्रो में पहली बार आये मतदाताओं ने सेल्फी लेकर किया खुशी का इजहार

मतदाताओं के द्वारा बम्फर मतदान करने से प्रत्याशियों के बीच खिंची चिंता की लकीरें

मतदान दलों में तीन पुरुषों के बीच एक महिला कर्मचारी का होना भी रहा चर्चा का विषय

लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदान जरूरीः श्रीमती एकता

इस अवसर पर कलेक्टर कोरिया की पत्नी श्रीमती एकता सिंह ने भी आम मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदान अवश्य करें। उन्होंने युवाओ से आग्रह करते हुए कहा कि स्वंय व अपने परिचितों को भी मतदान के लिए प्रेरित करें।

मैंने निभाई जिम्मेदारी,अब आपकी बारी

कलेक्टर श्री लंगेह ने मतदान करने के बाद सेल्फी ली और कहा कि मैंने निभाई अपनी जिम्मेदारी अब आपकी बारी। श्री लंगेह ने जिले के मतदाओं से अपील करते हुए कहा कि आज अपने बहुमूल्य समय निकालकर मतदान करें और इस महापर्व का साक्षी भी बनें।

सेवा मित्र कर रहे मतदाताओं की मदद

विधानसभा निर्वाचन 2023 के अन्तगर्त आज जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में आने मतदान केन्द्रों में स्कूल के स्काउट एवं गाइड बच्चों को बुजुर्गों, दिव्यांग तथा बिमार लोगों की मदद के लिए लगाया गया है। ये बच्चे सेवा मित्र के रूप में प्रत्येक मतदान केन्द्र में सबकी मदद कर मतदान दिलाने में सहयोग कर रहे है।

सोनहत के तीन मतदान केंद्रों में 100 प्रतिशत मतदान

विधानसभा क्रमांक 01 भरतपुर-सोनहत (आंशिक) के तीन मतदान केन्द्रों में शत प्रतिशत मतदान होने की जानकारी मिली है। बता दें सोनहत विकासखंड के ग्राम शेहराडांड, कांटो, रवला मतदान केंद्र के सभी मतदाताओं ने अपने मतदान केंद्र जाकर मतदान किया है। कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी विनय कुमार लंगेह ने ग्रामवासियों व सभी मतदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि दूरस्थ वनांचल के इन मतदाताओं ने अपने अधिकार का सही उपयोग किया है।

99 वर्षीय यशोदीया ने किया अपने मताधिकार का प्रयोग

लोकतंत्र में योगदान कर अन्य बुजुर्ग और युवा मतदाताओं के लिए बनी प्रेरणास्रोत, लोकतंत्र को मज़बूत बनाने के लिए सभी वर्ग के मतदाताओं ने वोट डाल कर अपनी सहभागिता दी है। जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 01 भरतपुर-सोनहत के बौरीडांड मतदान केन्द्र क्रमांक 288 में 99 वर्षीय यशोदीया बाई पति स्व. शिवधन सिंह ने उम्र की बाधाओं को आत्मविश्वास और हौसला से पीछे छोड़ उत्साह के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग किया। यह अन्य बुजुर्ग और युवा मतदाताओं के लिए लोकतंत्र के निर्माण में अपने योगदान के लिए प्रेरणास्रोत है।

मतदान के लिए दिखा गजब का जज्बा...तन से कमजोर हूँ मन से नहीं

90 वर्षीय श्री कटवारी, जमाने से वोट देती आ रही हूँ, आज क्यों छोड़ूं 95 वर्षीय श्रीमती अरुंबतिया सारथी। पान खाने के लिए बाइक, बाल कटवाने के लिए बाइक चाहिए! इन्हें दुपहिया न मिले तो आज के युवा नाराज हो जाते हैं। लेकिन हम तो जमाने से वोट देते आ रहे हैं, कभी पैदल आते थे, तो कभी सायकल से। अपनी लड़खड़ाती जुबान से 95 वर्षीया श्रीमती अरुंबतिया ने कही। किसी ने मुझ से कहा इतनी उम्र में वोट डालने जाएगी तो उन्होंने कहा जमाने से वोट डाल रही हूँ, इसीलिए आज भी वोट डालने आई हूँ। इसी तरह 90 वर्षीय कटवारी ने कहा तन से जरूर कमजोर हो गया हूँ, मन से नहीं हूँ। इसीलिए वोट देने आया हूँ। सचमुच इन बुजुर्गों की जज्बा को देखकर हर मतदाता इनसे प्रेरणा ले सकते हैं और लोकतंत्र की इस महापर्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकते हैं।

मुस्कराते हुए जतमिन बाई ने कहा-बोट दे हंव, मोरो फ़ोटो खींच न दाऊ

बैकुण्ठपुर ओड़गी मतदान केंद्र में कलेक्टर विनय कुमार लंगेह मतदान करके बाहर निकल रहे थे, तभी वोट देकर मतदान केंद्र परिसर में खड़ी ओड़गी निवासी श्रीमती जतमिन बाई ने फोटोग्राफर से कहा 'बोट दे हंव, मोरो फ़ोटो खींच न दाऊ' ! बुजुर्ग महिला की बात को सुनकर वहां खड़े लोग हंसने लगे। लेकिन जतमिन बाई के चेहरे में जो खुशी व आत्मविश्वास दिख रहा था, वह प्रत्येक मतदाताओं के लिए प्रेरणा का स्त्रोत था।

चुनाव के दूसरे चरण में लोगों में दिखा भारी उत्साह

छठ पर्व के होने से वोटिंग प्रतिशत में आई गिरावट

-संवाददाता-
कोरबा,17 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ प्रदेश में दिनांक 17 नवंबर को दूसरे चरण में 70 विधानसभा सीट पर चुनाव लडा गया । इस दौरान कोरबा विधानसभा क्षेत्र में भी लोग काफी उत्साहित दिखे । लोग सुबह से ही आपने अपने बूथों में जाकर अपने मताधिकार का प्रयोग करते दिखे ।इस दौरान पुलिस एवं प्रशासन के साथ ही सहायक संस्थाएं भी अपनी अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाते दिखे । वहीं कुछ बूथों में वोटिंग मशीन की कमी के कारण मतदाताओं में संतोष की स्थिति दिखी ढ्ढ लोगों ने कहा कि बूथों में कुल मतदाताओं के संख्या के आधार पर दो मशीन होनी चाहिए ,पर एक वोटिंग मशीन होने से लोगों को तीन घंटो तक उनके पारी आने का इंतजार करना पड़ रहा है साथ ही लगभग सभी बूथों की वोटिंग मशीन की धीमी गति भी असंतुष्टि का एक कारण रहा । इसके बावजूद जनता चुनाव को लेकर काफी उत्साहित दिखे । वहीं कुछ मतदाताओं ने व्यवस्थाओं एवं शांतिपूर्ण ढंग से हो रहे चुनाव को लेकर प्रशासन का आभार व्यक्त किया । इस दौरान बुजुर्गों एवं दिव्यांग भी इस लोकतांत्रिक पर्व को लेकर काफी उत्साहित दिखे । वहीं युवाओं ने भी पहली बार अपने मताधिकार को लेकर काफी सजग और उत्साहित दिखे । जिले में शाम 05 बजे तक एस्टिमेटेड 71त्न की वोटिंग हुई। कोरबा विधानसभा में 66त्न तो वहीं पाली तानाखार में सर्वाधिक 79त्न मतदान किया गया । शाम 05 बजे के बाद भी मतदान केंद्रों के अंदर भारी संख्या में लोग अपने बारी आने का इंतजार करते दिखे ।

कलेक्टर सौरभ कुमार ने कतार में लगकर किया मतदान

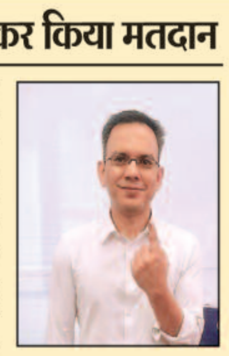

कोरबा कलेक्टर श्री सौरभ कुमार ने आज कोरबा विधानसभा के मतदान केन्द्र क्रमांक 127 में मतदान किया। उन्होने उपस्थित मतदाताओं को मतदान के लिए प्रोत्साहित किया। आज सुबह आठ बजे कलेक्टर सौरभ कुमार मतदान केन्द्र क्रमांक 127 रामपुर कोरबा पीडब्ल्यूडी प्राथमिक शाला पहुंचे और उन्होंने पीठासीन अधिकारी से मतदान की तैयारियों संबंधी जानकारी ली। इस स्कूल परिसर में दो मतदान केन्द्र 126 तथा 127 स्थित है। कलेक्टर ने दोनों केंद्रों में मतदान की तैयारियों का जायजा लिया। वे मतदाताओं के साथ मतदान करने के लिए बूथ में कतार में लगभग 01 घंटे लगे थे और अपनी बारी आने पर अपने मताधिकार का उपयोग किया। इसी तरह निगम आयुक्त सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने भी मतदान किया।

बोगस वोटिंग होने पर चुनाव पारदर्शिता पर उठे सवाल

-संवाददाता-
कोरबा,17 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

चुनाव के दौरान उस वक्त हुआ हंगामा जब किसी व्यक्ति ने आए हुए व्यक्ति का मत का प्रयोग कर दिया था। बता दें कि मताधिकार की आयु को पूरी करने वाले युवाओं को इस बात की बेहद प्रतीक्षा होती है कि वह चुनाव में पहली बार मतदान कर सकेंगे और जनप्रतिनिधि के चयन में अपना अहम भूमिका निभाएंगे। ऐसी स्थिति में सपनों में तब पानी फेर जाता है, जब कोई अन्य व्यक्ति बोगस तरीके से मतदान कर दे। ऐसा वाकया डींगापुर इलाके के मतदान केंद्र में युवा मतदाता चंचल तिवारी के साथ हुआ। हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में अपनी मां रंजना तिवारी के साथ पहुंची चंचल तिवारी का नाम इसी वर्ष मतदाता सूची में जुड़ा था, जिसने वर्ष की शुरुआत में 18 वर्ष की आयु पूरी की। वर्ष 2023 का विधानसभा चुनाव उसके जीवन का पहला अवसर था जब उसे मत देने का अधिकार मिला। कोरबा विधानसभा क्षेत्र की निवासी चंचल मतदान करने के लिए डींगापुर स्थित मतदान केंद्र पहुंची हुई थी लेकिन यहां शुरुआती प्रक्रिया के दौरान उसे मालूम चला कि उसका वोट तो किसी और ने डाल दिया है। चंचल ने बताया कि इस बारे में उसने निर्वाचन से संबंधित अधिकारी से शिकायत की ,जिस पर उसे तत्काल विकल्प देते हुए टेंडर वोट डालने को कहा गया लेकिन चंचल का कहना है के फर्जी मतदान आखिर हो कैसे गया । चंचल ने बताया कि कुछ दिनों पहले उसका वोटर आईडी आया था तब एक कर्मचारी ने रुपए की मांग की थी और नहीं देने पर धमकाया था। चंचल ने कहा कि प्रशासन को पूरे मामले की जांच पड़ताल करना चाहिए। विधानसभा चुनाव में अलग-अलग कारणों से उत्पन्न होने वाली स्थिति को ध्यान में रखते हुए अनेक स्थानों पर पर्याप्त निगरानी रखी गई है। वेबकास्टिंग के माध्यम से भी व्यवस्थाएं कराई गई,इन सबके बावजूद मतदान केंद्र स्तर पर गड़बड़ियां आखिर कैसे हो गई ,यह अपने आप में एक पहली है ।

बलरामपुर जिले में शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ मतदान

रामानुजगंज में 83.50 प्रतिशत एवं 08-सामरी में 83.42 प्रतिशत हुआ मतदान, बुजुर्ग, दिव्यांग व युवा मतदाताओं ने उत्साह के साथ किया अपने मताधिकार का प्रयोग

-संवाददाता-
बलरामपुर,17 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

विधानसभा निर्वाचन 2023 के अन्तर्गत दूसरे चरण में जिले में 17 नवम्बर को मतदान सम्पन्न हुआ। सायं 5.00 बजे की स्थिति में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 07-रामानुजगंज में 83.50 प्रतिशत एवं 08-सामरी में 83.42 प्रतिशत मतदान हुआ। मतदाताओं ने निर्भिक होकर अपना मताधिकार का उपयोग किया। ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष तौर पर युवाओं एवं महिलाओं में मतदान के प्रति खासा उत्साह देखने को मिला। मतदान केन्द्रों में प्रातः 08.00 बजे से ही मतदाताओं की लंबी लाईन देखी गई। मतदान के दौरान जिले मे कहीं भी अप्रिय घटना घटित नहीं हुई। इस दौरान सुरक्षा की दृष्टि से सभी मतदान केन्द्रों में पुलिस की चाक-चौबंद व्यवस्था की गई थी। जिले के दो विधानसभा क्षेत्र रामानुजगंज के 11 व सामरी के 13 प्रत्याशियों का भाग्य ई.व्ही.एम. में बंद हो गई है। शहरी एवं ग्रामीण इलाको में युवाओं से लेकर बुजुर्ग मतदाताओं में मतदान करने भारी उत्साह नजर आया। युवा, बुजुर्ग, पुरूष एवं महिलाएं सभी मतदान के इस महापर्व में बढ़-चढ़ के हिस्सा लिए तथा हर वर्ग के लोग अपने मताधिकार का प्रयोग करने संबंधित मतदान केन्द्र पहुंच कर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले के विधानसभा क्षेत्रों में बुजुर्ग, दिव्यांग मतदाताओं के लिए विशेष मतदान केन्द्र बनाये गये है। जहां उन्हें मतदान करने हेतु विशेष सुविधा दी गई। बुर्जुगों एवं दिव्यांगों के लिए मतदान केन्द्र में व्हील चेयर की व्यवस्था की गई। इसके साथ ही मतदाता मित्र लगाए गए जो मतदा[n] कक्ष तक ले जाने में उनकी सहायता किये जिला प्रशासन द्वारा मतदान केन्द्र में किये ग[ए] सुविधाओं के साथ बुजुर्ग एवं दिव्यां[ग] मतदाताओं ने उत्साह के साथ किया अप[ने] मताधिकार का प्रयोग। साथ ही युवा[ओं] मतदाताओं का ध्यान रखते हुए दोनों विधानसभा क्षेत्रो [में] युवा मतदान केन्द्र भी बनाये गये थे जहां युवा मतदाता[ओं] ने बढ़-चढ़कर अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

संगवारी मतदान केन्द्र रहा आकर्षण का विषय

निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करने के लिए आदर्श और संगवारी मतदान केंद्र की पहल की है। इसके तहत जिले के विधानसभा क्षेत्रो में 25 मतदान केंद्र को संगवारी तथा आदर्श मतदान केन्द्र बनाया गया है। संगवारी मतदान केन्द्रों में महिला अधिकारी-कर्मचारियों की ड्युटी लगायी गयी थी। संगवारी तथा आदर्श केन्द्रो को जिला प्रशासनों द्वारा तैयार किया गया था जिसमें मतदान केन्द्रों के बाहर टेन्ट व जिले के प्राकृतिक धरोहरों को प्रदर्शित किया गया था जो मतदाताओं के आकर्षण का केन्द्र रहा।

जशपुर जिले में द्वितीय चरण का मतदान शांतिपूर्ण हुआ सम्पन्न

युवाओं, दिव्यागजनों, महिलाओं के साथ बुजुर्गो ने भी दिखाया भारी उत्साह,शाम 5 बजे तक अंतिम आंकड़े के अनुसार 77.27 प्रतिशत मतदान रहा

-संवाददाता-
जशपुरनगर,17 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

जशपुर जिले में आज शुक्रवार को विधानसभा निर्वाचन के द्वितीय चरण का मतदान सुबह 8 बजे से सायं 5 बजे तक शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ। इसके साथ ही मतदान की प्रक्रिया पूरी कर मतदान दलों की वापसी शुरू हो गई है। प्राप्त अनंतिम आंकड़े अनुसार शाम 5 बजे तक जशपुर जिले में कुल 77.27 प्रतिशत मतदान हुआ है। विधानसभा जशपुर में 75.93 प्रतिशत, कुनकुरी में 77.29 और पत्थलगांव में 78.66 प्रशित मतदान दर्ज किया गया है। विधानसभा का निर्वाचन जिले में शांतिपूर्ण रूप से सम्पन्न हुआ। किसी भी मतदान केन्द्र में कोई अप्रिय घटना या शिकायत की स्थिति निर्मित नहीं हुई। इस दौरान सुबह से ही शहरी क्षेत्रों और सुदूर वनांचल क्षेत्र के मतदाताओं में मतदान के प्रति उत्साह दिखाई दिया। युवाओं से लेकर बुजुर्ग और दिव्यांग भी मतदान केंद्र में पहुंचकर मतदान करने के लिए उत्साहित दिखे। महिलाएं भी मतदान करने के लिए सुबह से ही मतदान केंद्रों में पहुंचीं। संगवारी मतदान केंद्र, दिव्यांग मतदान केंद्र और युवा मतदान केंद्र भी मतदाताओं के लिए आकर्षण का केंद्र बने। जिले की कुल 878 मतदान केंद्रों में मतदाताओं के द्वारा वोट डाले गए। इनमें जशपुर में 325, कुनकुरी में 278 एवं पत्थलगांव में 275 मतदान केन्द्र बनाए गए थे।

जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन द्वारा सभी मतदान केन्द्रों में समस्त आवश्यक मूलभूत सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराई गई थी। शेडो एरिया मतदान केन्द्रों के लिए विशेष इंतजाम किए गए थे। इन एरिया में सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए रनर की ड्यूटी भी लगाई गई थी।

पारंपरिक वेशभूषा में ट्राइबल महिलाओं के समूह ने मतदान केन्द्र कुटमा में मतदाताओं की सहायता हेतु रही उपस्थित

-संवाददाता-
जशपुरनगर,17 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

इस बार विधानसभा निर्वाचन 2023 में लोगों का उत्साह देखते ही बनाता है। जिले के कई मतदान केन्द्रों में कई तस्वीरें आ रही है, कोई बुजुर्गो की सहायता करता दिख रहा है, कोई दिव्यांगों को व्हीलचेयर पर से लाता नजर आया। इसी प्रकार की बेहद मोहक तस्वीर जशपुर विधानसभा के मतदान केन्द्र कुटमा से आई है। जहां ट्राइबल महिलाओं का एक समूह पारंपरिक वेशभूषा धारण किए हुए मतदान केन्द्र में आने वाले मतदाताओं की सहायता के लिए उपस्थित रहे। लोकतंत्र के इस महापर्व में सभी बढ़ चढ़कर अपनी सहभागिता दे रहे हैं। चाहे व मतदान करना हो या जरूरमंद मतदाता का सहयोग।

वोट देकर लौट रहे थे,रास्ते मे अनकंट्रोल हो गयी बाईक,एक की मौके पर ही मौत,दूसरे की हालत गम्भीर

-संवाददाता-
जशपुर,17 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

वोट देकर लौट रहे 2 बाईक सवारों की बाईक अनियंत्रित होकर एक पेड़ से इस कदर टकराई कि एक बाईक सवार युवक ने तो मौके पर ही दम तोड़ दिया जबकि दूसरे की स्थिति अभी भी गंभीर बनी हुई है। घटना कुनकुरी से लावाकेरा स्टेट हाईवे के बीच सिहारजोर की है। शाम करीब 4 बजे दोनो युवक (निवासी सिहारजोर)वोट देकर लौट रहे थे तभी सिहारजोर प्रतीक्षालय के पास उनकी बाईक अनकंट्रोल हो गयी और एक पेड़ से टकरा गई।इस दुर्घटना में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दूसरे की स्थित अभी भी गम्भीर बनी हुई है।घायल को 108 इमरजेंसी वैन के जरिये कुनकुरी के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

वर्ल्ड कप फाइनल में होगी भारत-ऑस्ट्रेलिया की भिड़ंत

» टीम इंडिया के पास 20 साल पुराना बदला लेने का मौका

नई दिल्ली,17 नवम्बर 2023। वर्ल्ड कप 2023 में 19 नवंबर को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खिताबी भिड़ंत होगी। पांच बार की वर्ल्ड चैंपियन ऑस्ट्रेलिया अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में अब तक अपराजित रही टीम इंडिया से खिताबी मुकाबले में भिड़ेगी। भारत 20 साल पहले साल 2003 वर्ल्ड कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया में मिली हार का बदला चुकता करने उतरेगी। साल 2003 वर्ल्ड कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने टीम इंडिया को 125 रनों से शिकस्त दी थी।

वर्ल्ड कप 2023 सेमीफाइनल में भारत ने न्यूजीलैंड जबकि दूसरे सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने साउथ अफ्रीका को हराकर फाइनल का टिकट कटाया है।

बता दें कि, वर्ल्ड कप 2023 के दूसरे सेमीफाइनल में गुरुवार को कंगारू टीम ने अफ्रीकी टीम को 3 विकेट से मात देकर फाइनल में जगह बनाई। वहीं, दक्षिण अफ्रीका वर्ल्ड कप के इतिहास में पहली बार फाइनल में जगह बनाने से चूक गई। वहीं दूसरी तरफ टीम इंडिया वर्ल्ड कप के इतिहास में तीसरी बार खिताब जीतने उतरेगी। टीम इंडिया ने बुधवार को वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड को 70 रन से हराकर फाइनल का टिकट कराया था। अब रोहित शर्मा की अगुवाई में टीम इंडिया साल 1983 वर्ल्ड कप और साल 2011 वर्ल्ड कप के इतिहास को दोहराने उतरेगी। बता दें कि, साल 2003 वर्ल्डकप के फाइनल में रिकी पोंटिंग ने शानदार 140 रन ने टीम इंडिया को दूसरी बार खिताब जीतने से रोक दिया था।

रोहित-विराट लेंगे सौरव गांगुली के अपमान का बदला

जैसा कि आप जानते हैं, क्रिकेट जगत भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच विश्व कप फाइनल की तैयारियों में जुटा हुआ है। भारत के दो दिग्गजों विराट कोहली और रोहित शर्मा ने वनडे मैचों में ऑस्ट्रेलियाई टीम की कड़ी परीक्षा ली है.

भारत का फाइनल तक का सफर शानदार प्रदर्शन से भरा रहा और विराट कोहली ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से नेतृत्व किया। वनडे में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कोहली का लगातार अच्छा प्रदर्शन टीम इंडिया के लिए फायदेमंद रहा क्योंकि उन्होंने 46 पारियों में 2313 रन बनाए।

उनकी आक्रामक शैली और दबाव में खेलने की क्षमता उन्हें एक जबरदस्त ताकत बनाती है। कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कुल 8 रन बनाकर इस फॉर्मेट में अपनी काबिलियत साबित की.

रोहित शर्मा का खतरनाक और विस्फोटक डेब्यू भारत की विश्व कप सफलता का एक बड़ा हिस्सा था। इस विश्व कप में 10 मैचों में 550 रन बनाकर रोहित शर्मा ने मजबूत शुरुआत दी और भारत की जीत का मार्ग प्रशस्त किया।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनके प्रभावशाली रिकॉर्ड में 44 पारियों में 2332 रन और 8 शतक शामिल हैं। रोहित की शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने की क्षमता उन्हें फाइनल में अहम खिलाड़ी बनाती है।

विराट कोहली और रोहित शर्मा ने मिलकर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे मैचों में 4000 से ज्यादा रन बनाए हैं और इस दौरान उन्होंने अपनी आक्रामक मानसिकता की छाप छोड़ी है। उनकी साझेदारी ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण पर उनके प्रभुत्व को प्रदर्शित करते हुए कुल 16 शतक बनाए।

भारतीय प्रशंसक उम्मीद कर रहे होंगे कि यह पावरहाउस जोड़ी विश्व कप फाइनल में भी अपना दमदार प्रदर्शन जारी रखेगी।

जैसे ही भारत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलने की तैयारी कर रहा है, पूरा देश इस बार विश्व कप में भारत को गौरव दिलाने के लिए कोहली और रोहित की ताकत पर भरोसा कर रहा है।

फाइनल एक दिलचस्प मुकाबला होने का वादा करता है और इन दो दिग्गज टीमों का प्रदर्शन निस्संदेह परिणाम तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

तीन भारतीय बल्लेबाजों ने रिकॉर्ड बुक में कराया अपना नाम दर्ज

नई दिल्ली,17 नवम्बर 2023। आईसीसी विश्व कप के 48 साल के इतिहास में एक ऐतिहासिक घटना में, तीन भारतीय बल्लेबाजों ने रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया और एक ऐसा रिकॉर्ड बनाया जो पहले कभी हासिल नहीं किया गया था।

विराट कोहली, रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर का शानदार प्रदर्शन सुर्खियों में है क्योंकि भारत और ऑस्ट्रेलिया 19 नवंबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में फाइनल की तैयारी कर रहे हैं।

टीम का नेतृत्व विराट कोहली कर रहे हैं, जो न केवल शीर्ष फॉर्म में हैं बल्कि 2003 विश्व कप में सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड भी तोड़ चुके हैं।

कोहली एक वर्ल्ड कप में 700 से ज्यादा रन बनाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने। उनकी निरंतरता और दौड़ने की भूख ने एक ऐसा मानक स्थापित किया जो असंभव लगता था।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि के साथ ही रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर ने टूर्नामेंट में 500 रन का आंकड़ा भी पार कर लिया. यह लगातार तीसरी जीत टूर्नामेंट के इतिहास में पहली बार है कि किसी भारतीय बल्लेबाज ने विश्व कप में 500 से अधिक रन बनाए हैं।

550 रन बनाने वाले रोहित शर्मा स्तंभ नंबर 1 हैं और एक ठोस शुरुआत कर रहे हैं। इस बीच, श्रेयस अय्यर की विस्फोटक पारी की बदौलत भारत ने विश्व कप में 526 रन बनाए।

तीनों का कुल स्कोर न केवल उनकी व्यक्तिगत प्रतिभा बल्कि भारतीय टीम की मजबूत बल्लेबाजी शक्ति को भी दर्शाता है।

विराट कोहली के नेतृत्व में और रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर के जोरदार समर्थन से भारत ऐतिहासिक बल्लेबाजी प्रदर्शन के साथ फाइनल में पहुंचा।

जहां पूरा क्रिकेट जगत भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच फाइनल का बेसब्री से इंतजार कर रहा है, वहीं इन दिग्गज बल्लेबाजों ने विश्व कप के इतिहास को फिर से लिखा और टूर्नामेंट के इतिहास पर एक अमिट छाप छोड़ी।

मंच एक रोमांचक खेल के लिए तैयार है क्योंकि बल्लेबाजी तिकड़ी अधिक रिकॉर्ड स्थापित करने और भारत को विश्व कप जीतने में मदद करने की कोशिश कर रही है।

पीसीबी प्रमुख जका अशरफ शनिवार को अहमदाबाद में आईसीसी बैठक में भाग लेंगे,विश्व कप फाइनल देखेंगे

लाहौर,17 नवम्बर 2023। पाकिस्तान क्रिकेट प्रबंधन समिति के अध्यक्ष जका अशरफ शनिवार को अहमदाबाद में होने वाली आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट बोर्ड) कार्यकारी बोर्ड (ईबी) की बैठक में भाग लेने के लिए भारत पहुंच गये हैं।

जका बोर्ड के मुख्य परिचालन अधिकारी सलमान नासिर के साथ अहमदाबाद के लिए रवाना हुए और वह रविवार को विश्व कप फाइनल भी देखेंगे।आईसीसी कार्यकारी बोर्ड बैठक में विश्व कप के संचालन, इस प्रतियोगिता से राजस्व संग्रह और दर्शकों की उपस्थिति की

समीक्षा की जाएगी।

पीसीबी सूत्रों के मुताबिक, इसमें 50 ओवर के क्रिकेट के भविष्य और 2025 में पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी पर भी चर्चा होगी। जका इससे पहले 14 अक्टूबर को भारत बनाम पाकिस्तान मैच देखने के लिए अहमदाबाद गए थे।

भारत ने यह मैच सात विकेट से जीता था। पाकिस्तान विश्व कप के सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने में असफल रहा था, जिसके बाद बाबर आजम ने बुधवार को कप्तानी छोड़ दी।

वो क्रिकेटर अच्छा,काश आदमी भी अच्छा...

हसीन जहां ने दिया मोहम्मद शमी पर बयान

लाहौर,17 नवम्बर 2023। भारतीय टीम के स्टार गेंदबाज मोहम्मद शमी ने वर्ल्ड कप में अपनी गेंदबाजी से हर किसी को प्रभावित किया है। वहीं उनके सामने सभी टीमों के बल्लेबाज पस्त नजर आते हैं। वहीं वर्ल्ड कप में उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद से ही हर जगह शमी की चर्चा हो रही है। इसी कड़ी में

उनकी पत्नी हसीन जहां ने मीडिया से बातचीत की। जहां उन्होंने कहा कि, वो क्रिकेटर तो अच्छे हैं, काश वे अच्छे आदमी भी होते। दरअसल, हसीन जहां ने कहा कि जो मुझे पर्सनली जानते हैं वो जानते हैं कि मेरे साथ गलत हुआ है। उन्होंने कहा कि कितना अच्छा होता अगर मैं, मेरी बेटी और वो मिलकर अच्छी जिंदगी जी पाते। उन्होंने कहा कि ये बहुत ही खुशी की बात है कि हमारा देश फाइनल में जीते और वर्ल्ड कप हमारे पास आए। शमी की पत्नी ने कहा कि, उनके और शमी के संबंधों को उनके करियर के साथ नहीं जोड़ा जाए क्योंकि उनका करियर है, वो उनके निजी जिंदगी के रिश्ते से बिलकुल अलग है। यानी मेरे और उनके बीच के विवाद को उनके करियर से कुछ भी लेना देना नहीं है।

हसीन जहां ने आगे कहा कि, मेरे बारे में जानबूझकर निगेटिव बातें होती हैं और फैलाई भी जाती हैं। जिस इंसान से मेरी लड़ाई चल रही है वो आर्थिक रूप से बेहद मजबूत है। उनके पास मेरे खिलाफ एक पूरी टीम है जो मेरे साथ लगातार गाली गलौच करती रहती है। उन्होंने कभी-कभी मेरे दिल में ये ख्याल आता है कि हम साथ रह सकते लेकिन शमी के गंदे दिमाग के कारण से लालच की वजह से ऐसी स्थिति में है। वह अपनी कई गलत चीजों को पैसे से छिपाने की कोशिश कर रहा है। लेकिन ऐसा नहीं है कि वह तकलीफ में नहीं है।

नेहरू के एक फैसले से बदली भारतीय क्रिकेट की तस्वीर

आईसीसी सदस्यता गंवाने की कगार पर था भारत

नई दिल्ली,17 नवम्बर 2023। वर्ल्ड कप 2023 में भारतीय टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पूरे क्रिकेट जगत में अपना लोहा मनवाया है। वहीं अब भारत 1983, 2011 के बाद 2023 में भी कीर्तिमान रचने की तैयारी कर रहा है। पूरे टूर्नामेंट में एक के बाद एक लगातार लीग मैचों में 9 जीत के बाद सेमीफाइनल में कीवी टीम को हराकर भारत ने फाइनल में अपनी जगह पक्की की है। आज पूरी दुनिया क्रिकेट में भारत को बेहतरीन टीम मानती है, लेकिन कभी एक समय ऐसा भी था जब भारत अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से सदस्यता गंवाने की कगार पर था। ऐसे समय में संकटमोचन बन कर खड़े हुए तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू।

आजादी के समय का किस्सा

देश के आजादी के समय संविधान अपनाने तक नई सरकार ब्रिटिश राज को ही भारत का राजा माना जा रहा था। उस समय कांग्रेस भारत को गणतंत्र बनाना चाहती थी और ब्रिटिश राज को पूरी तरह से तोड़ना चाहती थी, तब ब्रिटेन के प्रधानमंत्री क्लीमेंट एटली और विपक्षी नेता विंस्टन चर्चिल ने भारत को कॉमनवेल्थ का हिस्सा बने रहने की पेशकश की थी।

लेकिन कांग्रेस ने भारत के कॉमनवेल्थ का हिस्सा बनने से इनकार कर दिया था। कहा जाता है कि, उस समय उनका मानना था कि आजादी मिलने के बाद ब्रिटिश क्राउन के साथ किसी भी तरह के राजनीतिक या संवैधानिक रिश्ता नहीं रखना चाहिए। इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट में पत्रकार मिहीर बोस की किताब नाइव वेव्ज द एक्सट्राऑर्डिनरी स्टोरी ऑफ इंडियन क्रिकेट में इसका जिक्र किया गया है।

नेहरू पूरी तरह तैयार नहीं थे

पत्रकार मिहीर बोस ने अपनी किताब में बताया है कि चर्चिल ने सुझाव दिया था कि अगर भारत गणतंत्र बनता है तो भी वह एक गणतंत्र के रूप में कॉमनवेल्थ का हिस्सा बना रह सकता है और राजा को स्वीकार कर सकता है। अब नेहरू को ये सुझाव पूरी तरह पसंद तो नहीं आया लेकिन वह भारत को कॉमनवेल्थ में बने रहने के लिए तैयार हो गए।

आखिर में पल्टी बाजी

लेकिन आईसीसी ने 1950 में दोबारा बैठक की, तब भारत ने अपना संविधान अपना लिया था। साथ ही वह कॉमनवेल्थ का सदस्य भी रहा, लेकिन उसकी सरकार पर ब्रिटिश राजशाही का कोई भी अधिकारी नहीं रह गया था। कॉमनवेल्थ की सदस्यता से आश्वस्त होकर ही भारत को आईसीसी ने स्थाई सदस्य बनाया।

फुटबॉल में भारतीय खिलाड़ियों का जलवा

फीफा वर्ल्ड कप के क्वालीफायर में बड़ी जीत

नई दिल्ली,17 नवम्बर 2023। भारतीय फुटबॉल टीम ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के दूसरे क्वालीफायर राउंड में जीत के साथ शुरुआत की है। इस दौरान सुनील छेत्री की कप्तानी में भारतीय टीम ने कुवैत को 1-0 से मात दी। इसके साथ ही टीम इंडिया ने फीफा वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई कर लिया है।

भारत और कुवैत की तरफ से खेले गए इस मैच में पहले हॉफी का खेला खत्म होने पर दोनों ही टीमें एक भी गोल दागने में सफल नहीं हुई। इसके बाद दूसरे हाफ में आखिरी समय में भारत के मनवीर सिंह ने शानदार तरीके से गेंद को गोल पोस्ट के अंदर पहुंचा दिया। जिसके बाद भारतीय टीम 1-0 से बढ़त दिला दी। इस लीड को भारत ने अंत तक जारी रखा और मैच को अपने नाम कर लिया है। भारत इस समय फीफा वर्ल्ड कप क्वालीफायर्स के दूसरे राउंड में ग्रुप ए का हिस्सा है जिसमें उसका सामना कुवैत के अलावा कतर और अफगानिस्तान की टीम से भी होगा। साल

2027 में होने वाले एफसी एफसी एशियन कप के नजरिए से भी ये क्वालिफायर राउंड काफी अहम है। ग्रुप ए में शामिल टीमों की स्थिति के बारे में बताए तो, उसमें भारत ने कुवैत को हराया और भारतीय टीम के नाम इस समय तीन अंक है। वहीं ग्रूप में इस समय टॉप पर कतर की टीम है। जिन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ मुकाबले में 8-1 से जीत दर्ज की। बेहतर गोल होने के कारण कतर प्वाइंट्स टेबल में नंबर वन है। भारत का अब कतर की टीम के साथ मुकाबला होगा। ये मैच 21 नवंबर को भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में होगी। वहीं इसके बाद ग्रुप ए में टीम अपना आखिरी मैच अफगानिस्तान के खिलाफ खेलने उतरेगी।

मनोज बाजपेयी की जोरम की रिलीज तारीख आई सामने

बॉलीवड के जाने-माने अभिनेता मनोज बाजपेयी पिछले लंबे समय से अपनी आने वाली फिल्म जोरम को लेकर चर्चा में हैं।फिल्म में तनिष्ठा चटर्जी और राजश्री देशपांडे जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगी।देवाशीष मखीजा द्वारा निर्देशित यह फिल्म अब तक कई अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों में प्रदर्शित की जा चुकी है।अब जोरम सिनेमाघरों के दस्तक देने के लिए तैयार है। फिल्म 8 दिसंबर को दर्शकों के बीच आएगी।

टिकट खिड़की पर जोरम का सीधा सामना कैटरीना कैफ की मैरी क्रिसमस से होने वाली थी लेकिन मैरी क्रिसमस की रिलीज तारीख बढ़ा दी गई है वरना ऐसे में यह देखना दिलचस्प होता कि दोनों फिल्मों में से कौन-सी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा अच्छा प्रदर्शन करती। जोरम एक ऐसे व्यक्ति की कहानी है, जो अपने अतीत और वर्तमान के बीच फंसा हुआ है।सर्वाइवल थ्रिलर यह फिल्म एक विस्थापित पिता की कहानी है, जो अपनी बच्ची के साथ अपनी जान बचाने की कोशिश कर रहा है।

जोरम सिडनी फिल्म फेस्टिवल, बुसान फिल्म फेस्टिवल, डरबन फिल्म फेस्टिवल, एडिनबर्ग फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शित की जा चुकी है। डरबन फिल्म फेस्टिवल में फिल्म के लिए मनोज को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार भी दिया गया था। पीयूष पुती ने सर्वश्रेष्ठ सिनेमाटोग्राफर का पुरस्कार जीता था।

चियान विक्रम की ध्रुव नक्षत्र मूवी का ट्रेलर रिलीज

बहुमुखी अभिनेता चियान विक्रम अभिनीत और नायिका के रूप में रितु वर्मा की बहुप्रतीक्षित पैन इंडिया फिल्म ध्रुव नक्षत्रम का ट्रेलर जारी कर दिया गया है। इस फिल्म का निर्माण प्रतिभाशाली निर्देशक गौतम वासुदेव मेनन ने ओन्ड्रागा एंटरटेनमेंट और ओरुवुरिलिओरु फिल्म के बैनर तले किया है।फिल्म ध्रुव नक्षत्रम दो भागों में रिलीज होने वाली है, पहली किस्त ध्रुव नक्षत्र, अध्याय 1 युद्ध कंदम इस महीने की 24 तारीख को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ध्रुव नक्षत्र, अध्याय 1 युद्ध कंदम का हाल ही में रिलीज़ हुआ ट्रेलर कहानी की एक झलक प्रदान करता है। ट्रेलर में, पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) टीम के एक वरिष्ठ अधिकारी अपने पेशे में आने वाली चुनौतियों पर चर्चा करते हैं, खासकर मुंबई में आतंकवादी हमले से निपटने के दौरान। वह बताते हैं कि कानून की बाधाएं उनके प्रयासों में बाधा डाल रही हैं, जिससे बेसमेंट नामक एक गुप्त टीम का गठन हो रहा है, जो कानूनी सीमाओं के बाहर काम करती है। चियान विक्रम द्वारा अभिनीत जॉन, इस गुप्त टीम में एक विशेषज्ञ अधिकारी के रूप में उभरता है, जिसमें 11 सदस्य शामिल हैं।

ट्रेलर में गुप्त टीम के हिस्से के रूप में आतंकवादियों के साथ जॉन की मुठभेड़ों का एक रोमांचक दृश्य प्रस्तुत किया गया है, जिसमें उच्च-स्तरीय एक्शन दृश्यों और भव्य उत्पादन मूल्यों का प्रदर्शन किया गया है। चियान विक्रम जॉन की भूमिका में स्टाइलिश और करिश्माई दिखाई देते हैं। गौरतलब है कि फिल्म में निर्देशक गौतम वासुदेव मेनन भी अहम भूमिका में हैं। कलाकारों में चियान विक्रम, रितु वर्मा, आर. पार्थिबन, आर. राधिका सरथ कुमार, सिमरन, विनायकन, दिव्य दर्शिनी, मुन्ना साइमन, वामसी कृष्णा, सलीम बेग, सतीश कृष्णन, माया एस. कृष्णन और अन्य शामिल हैं।

पर्दे पर कमबैक करने के लिए तैयार हैं जेनिफर विंगेट

जेनिफर विंगेट एक लंबे ब्रेक के बाद स्क्रीन पर वापसी के लिए तैयार हैं. एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया के जरिए खुद इसकी अनाउंसमेंट की है. खास बात यह भी है कि एक्ट्रेस एक बार फिर अपने पुराने को-स्टार करण वाही के साथ स्क्रीन शेयर करती दिखाई देने वाली हैं. बता दें कि इससे पहले जेनिफर और करण एक साथ टीवी सीरियल दिल मिल गए में नजर आए थे. दर्शकों को उनकी जोड़ी बहुत पसंद आई थी.

जेनिफर ने अपने इंस्टाग्राम पर करण वाही और शो के डायरेक्टर अनिरुद्ध राजदेरकर के साथ कुछ फोटोज शेयर की है. फोटोज में एक्ट्रेस उनके साथ पोज देते और स्क्रिप्ट पर काम करती दिखाई दे रही हैं. पोस्ट के साथ जेनिफर ने कैप्शन में लिखा- बैक इन, चीज़ों का झुकाव और कैसे, सच में एक लंबे ब्रेक के बाद!! राजदेरकर के साथ वापसी और मेरे वाहिंदर के साथ काम करना + उसी दिन 17एम में रिंग करना!! जश्न मनाने का क्या तरीका है! वाकई में जश्न मनाने का दिन! दरअसल जहां एक तरफ जेनिफर करण के साथ कमबैक कर रही हैं तो वहीं दूसरी तरफ एक्ट्रेस के इंस्टाग्राम पर 17 मिलियन फॉलोअर्स हो गए हैं. ऐसे में एक्ट्रेस के लिए यह डबल सेलिब्रेशन का मौका है.

जेनिफर आखिरी बार क्राइम ड्रामा वेब शो कोड एम में दिखाई दी थीं. सीरीज में तनुज विरवानी, आलेख कपूर, रजत कपूर और मधुरिमा रॉय जैसे कलाकार शामिल थे. अब एक्ट्रेस अनिरुद्ध राडेरकर और करण वाही के साथ फिर से काम करने के लिए एक्साइटेड हैं. बता दें कि जेनिफर विंगेट और करण वाही के साथ रीम शेख भी सीरीज का हिस्सा होंगी. सीरीज दो बहनों की लव स्टोरी पर बेस्ड होगी. इससे पहले रीम शेख तुझसे है राब्ता, फना- इश्क में मरजावां और तेरे इश्क में घायल जैसे सीरियल्स में लीड रोल निभी चुकी हैं.

जेनिफर विंगेट की बात करें तो वे आखिरी बार छोटे पर्दे पर बेहद सीजन 2 में शिविन नारंग के साथ नजर आई थी. यह 2020 में खत्म हो गया था और तब से ही जेनिफर ने छोटे पर्दे पर काम नहीं किया. इसके बाद वे कोड एम 2 में दिखाई दी थीं.

लाइन में खड़े होकर सीएम ने किया मतदान

बोले-अबकी बार 75 पार

दुर्ग,17 नवम्बर 2023(ए)। दूसरे चरण का मतदान सम्पन्न हुआ।. पाटन के कुरूदडीह के प्राइमरी स्कूल में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ वोट दिया। इस दौरान भूपेश बघेल ने जीत का दावा करते हुए कहा, अबकी बार 75 पार. इतना ही नहीं अपने प्रतिद्वंदी भाजपा प्रत्याशी के लिए भूपेश बघेल ने चुटकुले अन्दाज़ में कहा कि,रिश्ते में हम तुम्हारे बाप लगते हैं।

आगे सीएम बघेल ने यह भी कहा, हमने किसानों के लिए, महिलाओं के लिए, युवाओं के लिए, मज़दूरों के लिए जो गारंटी दी है. उस गारंटी का नतीजा है कि, बूथों में लोग बढ़-चढ़कर आ रहे हैं।

इन 70 विधानसभा सीटों में हुआ मतदान

विधानसभा आम निर्वाचन के लिए दूसरे चरण में भरतपुर-सोनहट, मनेन्द्रगढ़, बैकुंठपुर, प्रेमनगर, भटगांव, प्रतापपुर, रामानुजगंज, सामरी, लुण्ड्रा, अम्बिकापुर, सीतापुर, जशपुर, कुनकुरी, पत्थलगांव, लैलूंगा, रायगढ़, सारंगढ़, खरसिया, धर्मजयगढ़, रामपुर, कोरबा, कटघोरा, पाली-तानाखार, मरवाही, कोटा, लोरमी, मुंगेली, तखतपुर, बिल्हा, बिलासपुर, बेलतरा, मस्तूरी, अकलतरा, जांजगीर-चांपा, सक्ती, चंद्रपुर, जैजैपुर, पामगढ़, सराईपाली, बसना, खल्लारी, महासमुंद, बिलाईगढ़, कसडोल, बलौदाबाजार, भाटापारा, धरसींवा, रायपुर ग्रामीण, रायपुर नगर पश्चिम, रायपुर नगर उत्तर, रायपुर नगर दक्षिण, आरंग, अभनपुर, राजिम, बिन्द्रानवागढ़, सिहावा, कुरूद, धमतरी, संजारी-बालोद, डौंडीलोहारा, गुण्डरदेही, पाटन, दुर्ग ग्रामीण, दुर्ग शहर, भिलाई नगर, वैशाली नगर, अहिवारा, साजा, बेमेतरा और नवागढ़ विधानसभा क्षेत्रों में वोट डाले जाएंगे.

अमिताभ जैन,सीईओ रीना बाबा,एसीएस सुब्रत और पीआरएस परदेसी ने किया मतदान

रायपुर,17 नवम्बर 2023(ए)। प्रशासनिक कर्तव्यों के निर्वहन के साथ मताधिकार के लिए भी आईएएस और आईपीएस अधिकारीयों में जज्बा दिखा। राजधानी रायपुर के अलग मतदान केंद्रों में सीएस अमिताभ जैन, सीईओ रीना बाबा, एसीएस सुब्रत और पीआरएस परदेसी ने मतदान किया।

बिलासपुर में भी प्रशासनिक अधिकारी मतदान के बाद सेल्फी जोन में मतदाताओं को वोट देने के लिए अपील करने वाले अंदाज़ में तस्वीरें खिंचवाते दिखे।

सीएस अमिताभ जैन ने सपरिवार किया वोट

मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने आज देवेंद्रनगर के मतदान केंद्र पहुँच कर सपरिवार अपने मताधिकार का प्रयोग किया। श्री जैन के साथ उनकी धर्मपत्नी ऋतु जैन एवं सुपुत्री अदिति जैन ने भी वोट डाला। मुख्य सचिव श्री जैन ने सभी मतदाताओं से अपने मताधिकार का प्रयोग करने का अनुरोध किया।

सीईओ रीना बाबा साहेब कंगाले ने डाला वोट

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले ने आज सवेरे रायपुर के धरमपुरा पूर्व माध्यमिक शाला स्थित मतदान केंद्र में मतदान किया। उन्होंने आम मतदाताओं की तरह लाइन में लगकर अपने परिवार सहित मतदान किया। इस दौरान लोगों से अपने परिवार के सभी मतदाताओं सहित मतदान अवश्य करने की अपील की। उन्होंने लोकतंत्र के इस त्योहार में मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी के लिए छोड़कर सारे काम सबसे पहले करें मतदान का संदेश दिया।

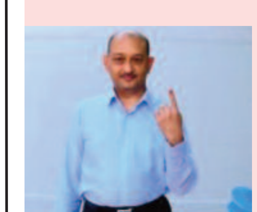

एसीएस सुब्रत साहू ने भी किया मतदान

अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू ने देवेंद्र नगर मतदान केंद्र पहुँचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने सभी वोटर्स से अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की

पीआरएस परदेशी ने सपरिवार किया मतदान

जनसंपर्क सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी ने आज सपरिवार अपने मताधिकार का प्रयोग किया। जनसंपर्क सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी के साथ उनकी धर्मपत्नी श्रीमती गार्गी परदेशी ने भी वोट डालकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

उन्होंने सभी मतदाताओं से अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की।

जनसम्पर्क आयुक्त काबरा ने भी की वोटिंग

जनसम्पर्क विभाग के आयुक्त दीपांशु काबरा ने सपरिवार लाइन में खड़े होकर मतदान किया। मतदान करने के बाद उन्होंने सेल्फी जोन में जाकर फोटो भी खींचा और सोशल मीडिया पर शेयर किया।

बिलासपुर में अधिकारयों ने किया मतदान

कलेक्टर अवनीश शरण, पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह, निगम कमिश्नर कुणाल दूदावत, सीईओ अजय अग्रवाल और श्रीमती वंदना संतोष सिंह बिलासपुर में में स्थित मतदान केंद्र में पहुंचकर मतदान किया। मतदान करने के बाद सभी अफसरों ने एक साथ फोटो खींचवाया।

सांसद विजय बघेल ने किया मतदान

दुर्ग,17 नवम्बर 2023(ए)। लोकसभा सांसद और भारतीय जनता पार्टी के पाटन से प्रत्याशी सांसद विजय बघेल ने मतदान किया. इस दौरान उनकी पत्नी रजनी बघेल भी उनके साथ मतदान केंद्र पहुंची. विजय बघेल ने भिलाई नगर विधानसभा के सेक्टर 5 के इंग्लिश मीडियम स्कूल में मतदान किया. इस दौरान उन्होंने भाजपा की जीत का दावा किया.

पाटन से भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल ने वोट डालने के बाद पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने का दावा किया. साथ ही यह भी कहा, जनता पाटन में भ्रष्टाचार और भय की सरकार को जवाब देगी. भाजपा का घोषणा पत्र आम जनता के लिए है और जनता कांग्रेस के झूठ को बेनकाब करेगी.

इन 70 विधानसभा सीटों पर मतदान सम्पन्न

विधानसभा आम निर्वाचन के लिए दूसरे चरण में भरतपुर-सोनहट, मनेन्द्रगढ़, बैकुंठपुर, प्रेमनगर, भटगांव, प्रतापपुर, रामानुजगंज, सामरी, लुण्ड्रा, अम्बिकापुर, सीतापुर, जशपुर, कुनकुरी, पत्थलगांव, लैलूंगा, रायगढ़, सारंगढ़, खरसिया, धर्मजयगढ़, रामपुर, कोरबा, कटघोरा, पाली-तानाखार, मरवाही, कोटा, लोरमी, मुंगेली, तखतपुर, बिल्हा, बिलासपुर, बेलतरा, मस्तूरी, अकलतरा, जांजगीर-चांपा, सक्ती, चंद्रपुर, जैजैपुर, पामगढ़, सराईपाली, बसना, खल्लारी, महासमुंद, बिलाईगढ़, कसडोल, बलौदाबाजार, भाटापारा, धरसींवा, रायपुर ग्रामीण, रायपुर नगर पश्चिम, रायपुर नगर उत्तर, रायपुर नगर दक्षिण, आरंग, अभनपुर, राजिम, बिन्द्रानवागढ़, सिहावा, कुरूद, धमतरी, संजारी-बालोद, डौंडीलोहारा, गुण्डरदेही, पाटन, दुर्ग ग्रामीण, दुर्ग शहर, भिलाई नगर, वैशाली नगर, अहिवारा, साजा, बेमेतरा और नवागढ़ विधानसभा क्षेत्रों में वोट डाले गए।.

डिप्टी सीएम और मंत्रियों ने किया मतदान

» **टीएस सिंहदेव ने कहा-सरगुजा फिर जीतेंगे**

» **कांग्रेस को मिलेगी लीड**

रायपुर,17 नवम्बर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के 70 सीटों में मतदान जारी है. मतदाता उत्साह के साथ मतदान करने पहुंच रहे हैं. वहीं डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव, मंत्री शिवकुमार डहरिया, ताम्रध्वज साहू और रविंद्र चौबे ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया.उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव मतदान करने से पहले मां महामाया मंदिर पहुंचकर पूजा किया और जीत का आशीर्वाद लिया. इस दौरान टीएस सिंहदेव ने कहा, सरगुजा फिर जीतेंगे. कांग्रेस को लीड मिलेगी. मुद्दों को पहुंचाने के अब कई माध्यम है. जनता सब जानती है. भाजपा का कर्णाटक में क्या हाल हुआ सबको पता है. मतदान को लेकर जनता में उत्साह है.

गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू ने ग्राम पाऊवारा में मतदान किया. ताम्रध्वज साहू दुर्ग ग्रामीण विधानसभा से कांग्रेस के प्रत्याशी है. अपने गृहग्राम के शास. उच्च. माध्यामिक स्कूल ग्राम पंचायत पाऊवारा में मतदान किया. इस दौरान गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने मतदाताओं से कहा कि आपका एक-एक वोट छत्तीसगढ़ की जीत सुनिश्चित करेगा. आप सबसे आग्रह है, मतदान अवश्य कीजिए. भरोसा जीत रहा है, छत्तीसगढ़ जीत रहा है

मंत्री डॉ.शिवकुमार डहरिया ने आरंग में अपनी पत्नी शकुन डहरिया और बेटी राजश्री के साथ मतदान किया. मतदान के बाद मंत्री डहरिया ने कहा, कांग्रेस की सरकार बन रही है, पूरा माहौल कांग्रेस के पक्ष में है. सांसद सुनील सोनी के आरोप पर कहा कि बीजेपी के पास आरोप लगाने के अलावा कोई मुद्दा नहीं है. प्रदेश में भाजपा के सभी चेहरे धूमिल हो गए है. सांसद सुनील सोनी ने कल कलेक्टर से शिकायत की थी. शिकायत में डॉ.शिवकुमार डहरिया पर आरंग में सोने और चांदी के सिक्के बांटने का आरोप लगाए थे.

साजा विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी रविन्द्र चौबे ने अपने परिवार के साथ गृह ग्राम मौहाभाटा में मतदान का उपयोग किया है. कांग्रेस प्रत्याशी रविंद्र चौबे 9वीं बार विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं. इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रदेश भर में कांग्रेस की लहर है और इस बार 75 से अधिक सीटों पर कांग्रेस कब्जा कर दूसरे पर सरकार बनाने जा रही.

कांग्रेस कार्यकर्ता को बीजेपी कार्यकर्ताओं ने घंटो अपने कब्जे में रखा

5 पर बलवा का अपराध दर्ज

कवर्धा,17 नवम्बर 2023 (ए)। विधानसभा चुनाव के दौरान तरेगांव जंगल के समीप कांग्रेस कार्यकर्ता के साथ गाली गलौच कर जान से मारने के धमकी देने तथा बलवा करने के मामले में कवर्धा के भाजपा प्रत्याशी विजय शर्मा के भाई सहित 5 भाजपा कार्यकर्ताओं के विरूध अपराध दर्ज किया गया है। इस घटना में पीड़ित अजीत बाजपेयी ने घटना में लगभाग 70-80 भाजपा कार्यकर्ताओं के शामिल होने की एफ.आई.आर लिखाई है।

घटना 4 नवबंर की रात लगभग 11.30 बजे की है। घटना की शिकायत अगले दिन कर दी गई थी। चेक पोस्ट मे लगे सी.सी.टी.वी कैमरे में चेक करने के पश्चात इस मामले में थाना तरेगांव जगल में धारा 147, 294, 506 (बी) का अपराध दर्ज किया गया है। एफ. आई. आर के अनुसार भाजपा प्रत्याशी विजय शर्मा के रिश्तेदार अजय शर्मा सहित काशी उइके, बरसाती वर्मा, तेजु जैन, दिलीप नायक अपने 70-80 भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ अजीत बाजपेयी को अर्टिगा वाहन से उतार कर वाहन की जांच करने लगे। इसके पश्चात कांग्रेस पार्टी के विरूद्ध आपत्तिजनक नारे लगाकर उसे धमकी दिए, मारपीट करते हुये घटनास्थल से अपहरण कर दूर ले जाकर एक रजिस्टर देकर उसमें चुनाव की एंट्री लिखवाने मजबूर कर दिया । इसके पश्चात थाना तरेगांव जंगल मुख्य मार्ग पर मार-पीट किए। जेब में रखे 20-22 हजार रूपयें तथा मोबाईल फोन लूट लिये। 2-3 घंटो तक घटनो को अंजाम देने के बाद थाना के अंदर ले जाकर दुर्व्यवहार किए। लगभग 1 घंटे बाद

मोबाईल फोन ला कर दिए। थाना के अंदर में ही भाजपा कार्यकर्ताओ ने अजीत बाजपेयी का मोबाइल फोन से वीडियो बनाया। पूरी घटना थाना के सामने व थाने के अंदर में लगे सी.सी.टी.वी कैमरे में रिकार्ड हुई है। इस मामले में उल्लेखनीय है कि पुलिस ने कवर्धा में मतदान की तारीख 7 नंवबर के पूर्व अपराध दर्ज नहीं किया।घटना तरेगांव जंगल चेक पोस्ट में लगे सी.सी.टी.वी .कैमरा तथा थाना के सामने व अंदर लगे सी.सी.टी.वी. मे रिकार्ड हुई है। मामले की विवेचना कर रहे थाना तरेगांव जंगल के उप निरीक्षक सुरेश कश्यप ने एफ.आई.आर के तथ्य में इस बात का उल्लेख भी किया है कि उन्होनें चेक पोस्ट मे लगे सी.सी.टी.वी. कैमरे को चेक किया है। इसके पश्चात अजय शर्मा निवासी कवर्धा,काशी उइके निवासी कामाडबरी तरेगांव जंगल, बरसाती वर्मा निवासी मड़मड़ा पांडातराई, तेजू जैन निवासी तरेगांव जंगल, दिलीप नायक निवासी तरेगांव जंगल के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है। अजीत बाजपेयी ने रूपयें लूटने की भी रिपोट दर्ज कराई है लेकिन इसकी धारा नहीं लगाई गई है। अपहरण के संबंध में भी अपराध दर्ज नहीं किया गया है।सी.सी.टी.वी.कैमरे से साबित होता है कि घटना में दर्जनो लोग शमिल थे जिसका नाम पीड़ित अजीत बाजपेयी को मालूम नहीं है, इसकी विवेचना नहीं की गई है।

राज्यपाल हरिचंदन ने किया मतदान

रायपुर,17 नवम्बर 2023(ए)। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन एवं प्रथम महिला सुप्रभा हरिचंदन ने आज सिहावा भवन सिविल लाईन्स स्थित आदर्श मतदान केंद्र पहुंच कर अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

राज्यपाल हरिचंदन ने प्रदेश के सभी मतदाताओं से अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी नागरिकों का कर्तव्य है कि वे अपने मताधिकार का प्रयोग करें। मतदान के बाद राज्यपाल ने सेल्फी जोन में फोटो भी खिंचाई।

स्कूलों में पाठ्यक्रम अधूरे

छहमाही में 70 फीसदी सिलेबस से ही सवाल

रायपुर,17 नवम्बर 2023(ए)। चुनाव कार्य में शिक्षकों की ड्यूटी लगाए जाने का असर पढ़ाई पर भी दिखने लगा है। हालात यह है कि दिसंबर में होने वाली छहमाही परीक्षा में इस बार 80 प्रतिशत की जगह 70 प्रतिशत पाठ्यक्रम से ही सवाल आएंगे।

दिसंबर से प्रथम सप्ताह से स्कूलों में छमाही परीक्षाएं शुरू होंगी। इसके लिए समय-सारिणी जिला शिक्षा कार्यालय द्वारा जारी कर दी गई है। वस्तुस्थिति पता करने के लिए विभिन्न शासकीय विद्यालयों के प्राचार्यो, शिक्षकों व छात्रों से बात की तो यह ज्ञात हुआ कि निर्धारित पाठ्यक्रम अब तक पूर्ण नहीं हो सका है।

इन स्थितियों में जितना पाठ्यक्रम पूर्ण हो सका है, उतने में ही परीक्षाएं ली जाएंगी। कई स्कूल छमाही परीक्षाओं के बाद अतिरिक्त कक्षाएं लगाने की भी तैयारी में हैं, ताकि वार्षिक परीक्षाओं के पर्याप्त समय पहले कोर्स पूर्ण किया जा सके और छात्रों को रिवीजन के लिए भी वक्त मिले। बोर्ड कक्षाओं की प्रायोगिक परीक्षा जनवरी माह में प्रारंभ होने की संभावना है। वहीं सैद्धांतिक परीक्षाएं मार्च के प्रथम सप्ताह से शुरू होंगी।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद द्वारा सत्र के प्रारंभ में ही यह निर्धारित कर दिया जाता है कि माहवार प्रत्येक विषय के कितने यूनिट पूर्ण हो जाने चाहिए। इसके आधार पर ही छात्रों की परीक्षाएं ली जाती रही हैं। सामान्यतः नॉन बोर्ड कक्षाओं में छमाही परीक्षाओं में 80त्न सिलेबस से सवाल पूछे जाते रहे हैं। वहीं बोर्ड कक्षाओं में लगभग 100त्न पाठ्यक्रम से सवाल पूछे जाते हैं, ताकि बोर्ड परीक्षाओं के पूर्व ही छात्र संपूर्ण सिलेबस पर आधारित एक और परीक्षा दिला सकें और उनका अभ्यास हो सके। इस बार बोर्ड कक्षाओं में भी 20 प्रतिशत सिलेबस कम रहेगा। अर्थात दसवीं-बारहवीं के छात्रों से 80त्न पाठ्यक्रम से ही सवाल पूछे जाएंगे।

मतदान केंद्र में अव्यवस्था के शिकार हुए मतदाता,बिना वोट डाले लौटे

रायपुर,17 नवम्बर 2023 (ए)।अभनपुर के गोबरा नवापारा के शासकीय हरिहर उच्चतर माध्यमिक शाला भवन में पांच मतदान केंद्र बनाया गया है। यहां भारी अव्यवस्थाओं का आलम देखा गया है। मतदान केंद्र के 100 मीटर पहले ही सभी का मोबाइल बाहर करवा दिया जा रहा है।

मुख्य मार्ग पर बाउंड्री के पास ही मोबाइल को बाहर रखने के लिए मतदाता परेशान होते दिखे। बाहर में किसी भी तरह से मोबाइल रखने के लिए काउंटर की व्यवस्था नहीं था, जिससे बहस की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। वहीं असहाय और दिव्यांगों के लिए बाहर से बूथ केंद्र तक जाने के लिए न गाड़ी को परमिशन दिया जा रहा है और न ही कोई व्यवस्था की गई है. पीने के पानी की भी सुविधा नहीं है। यहां किसी प्रकार से मेडिकल की सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गई है। इस बूथ में

मतदान के दौरान सुबह एक वृद्ध बेहोश होकर गिर गया। आनन-फानन में उसे अस्पताल ले जाया गया। वहीं एक असहाय महिला को मतदान केंद्र से सड़क मार्ग तक पैदल जाना पड़ा।

वार्ड क्रमांक 21 की रहने वाली महिला बिना वोट डाले ही घर लौट गई। महिला ने बताया कि दुधमुंहे बच्चे को अंदर ले जाने से मना कर दिया गया और बाहर बच्चे के लिए कोई व्यवस्था नहीं है। इसी बात से नाराज महिला बिना वोट डाले ही वापिस घर लौट आई।

वहीं, मौके पर पहुंच चुनाव आयोग के आब्जर्वर से इस संबंध में चर्चा की गई, लेकिन उन्होंने मीडिया को कुछ भी कहने से इंकार कर दिया। हालांकि मीडिया कर्मियों के ऑब्जेक्शन के बाद कुछ व्यवस्थाओं को बहाल करने की बात कही गई।

वोटरों ने किया चुनाव का बहिष्कार, मतदान दल को बनाया बंधक

गाड़ी में तोड़फोड़ भी की

बिलासपुर,17 नवम्बर 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ में दूसरे चरण का मतदान आज संपन्न हुआ. इस दौरान बोदरी के वार्ड नंबर 10 के ड़ड़हा में मतदाताओं ने मतदान का कड़ा विरोध किया. मतदान दल को बंधक बनाकर रोड नहीं तो वोट नहीं के नारे लगाए. मतदान दल की गाड़ी को बीच सड़क पर घेरा और मतदाताओं ने मतदान दल की गाड़ी में तोड़फोड़ भी की. उग्र हंगामा और तनाव की स्थिति बनी रही. इस बीच पुलिस व प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची. ग्रामीणों को समझाइश देकर पुलिस व प्रशासन की टीम चुनाव दल को लेकर वापस निकली. ग्रामीण भी वापस अपने घर लौट गए।

अधिकारियों की बड़ी लापरवाही,मतदान केंद्र से नहीं हटाया महापुरुषों की फोटो

पेंड्रा,17 नवम्बर 2023 (ए)। चुनाव जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में भी अधिकारियों ने लापरवाही की हदें पार कर यह साबित कर दिया है कि लापरवाही कहीं भी हो सकती है। विधानसभा चुनाव के लिए 70 सीटों पर हुए मतदान के बीच चुनाव आयोग के सख्त निर्देशों के बावजूद चुनाव संबंधी नियमों की धज्जियां उड़ाने में अधिकारियों ने कोई कसर नहीं छोड़ी। दरअसल सरकारी दफ्तर में लगी महापुरुषों की फोटो को मतदान के दौरान भी नहीं हटाया गया है। छत्तीसगढ़ में आज दूसरे चरण की 70 सीटों पर मतदान हुआ। बता दें कि 70 विधानसभा सीटों में कुल 958 अभ्यर्थी मैदान में उतरे हैं, जिनमें एक एक तृतीय लिंग प्रत्याशी भी शामिल है। पेंड्रा विधानसभा की बात करें तो यहां मतदान से पहले निर्वाचन विभाग की बड़ी लापरवाही सामने आई है। पोलिंग बूथ पेंड्रा में मतदान केबिन के ठीक ऊपर महापुरुषों की फोटो लगाई गई। बता दें कि यह लापरवाही कोटा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत गर्ल्स हाई स्कूल पेंड्रा में बनाए गए मतदान केंद्र में देखी गई है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)